आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* भगवान महाकाल की प्रथम सवारी
* मौना पंचमी

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 03 | इंदौर, सोमवार 03 अगस्त, 2026 | श्रावण कृष्ण 5 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

भतीजे आकाश आनंद के ससुर को मायावती ने पार्टी से निकाला

लखनऊ। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा एक्शन लिया है। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को फिर पार्टी से निष्कासित कर दिया। पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को तत्काल प्रभाव से हटाया गया है। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अशोक सिद्धार्थ की अब कभी भी बीएसपी में वापसी नहीं होगी। मायावती ने आरोप लगाया कि अशोक सिद्धार्थ लगातार अनुशासनहीनता और पार्टी निर्देशों की अनदेखी कर रहे थे। कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों की जिम्मेदारी निभाने में भी लापरवाही का आरोप लगा है। राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर किया। मायावती ने कहा कि यूपी के निवासी किसी भी वरिष्ठ पदाधिकारी को अब उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी।

पेरू में प्लेन क्रैश में 2 पायलट सहित 13 लोगों की गई जान

नई दिल्ली। दक्षिणी अमेरिकी देश पेरू में बड़ा हादसा हो गया, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सभी पर्यटक थे और विमान में सवार थे। इसी दौरान प्लेन क्रैश हुआ और क्रू सहित 13 लोगों की मौत हो गई। घटना पेरू के नाज्का शहर के पास की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नाज्का लाइन्स पहुंचने के बाद प्लेन खेत में गिर गया था। क्रैश होते ही प्लेन में आग लग गई। 13 मृतकों में 11 पर्यटक और 2 पायलट्स थे। क्रैश के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। बता दें, नाज्का लाइन्स 2000 साल पुराना दार्शनिक स्थल है। नाज्का लाइन्स को पूरी तरह से सिर्फ प्लेन या फिर व्यूइंग टॉवर से ही देखा जा सकता है।

इंडोनेशिया में फेरी बोट में लगी आग से 5 की मौत, 41 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मादुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक फेरी बोट में आग लग गई। इसके बाद लोग जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। रॉयटर्स के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक फेरी में कुल 271 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। कुछ लोग जान बचाने के लिए बोट से समुद्र में कूद गए। दोपहर तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि बाकी लोगों की तलाश जारी है। फेरी ईस्ट जावा प्रांत के सुराबाया से साउथ सुलावेसी के मकासार जा रही थी। इसी दौरान मादुरा द्वीप के पास उसमें आग लग गई। आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है।

असम में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे रणदीप हुड्डा

लंगर में विस्थापित लोगों को खाना खिलाया, कार्तिक आर्यन ने मदद के लिए 1 करोड़ दिए थे

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने शनिवार को असम के शिवसागर में ग्लोबल सिख्स द्वारा आयोजित बाढ़ राहत वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को राशन और अन्य जरूरी सामान वितरित किया। रणदीप हुड्डा ने शिवसागर में गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका और बाढ़ प्रभावित असम के लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने राहत कार्य में भी भाग लिया। लंगर सेवा के दौरान रणदीप हुड्डा ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि शिवसागर रेलवे स्टेशन पर आसपास के इलाकों से प्रभावित परिवार पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सात दिनों से हर दिन भोजन तैयार कर लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से ग्लोबल सिक्स के साथ जुड़े हैं। रणदीप हुड्डा ने लोगों से अपील की कि वे सीधे राहत कार्यों में भाग लेकर, प्रार्थना करके या राहत संगठनों को आर्थिक सहायता देकर जरूरतमंदों की मदद करें। कार्तिक आर्यन ने असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 करोड़ रुपए की राशि दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इस समय की गई इस बड़ी मदद के लिए उनका आभार व्यक्त किया था।

नैनो न्यूज

- **चंडीगढ़ :** फोन पर जातिसूचक गालियां देना एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट।
- **गोवा:** कांग्रेस-जीएफपी में गठबंधन पर चर्चा, आप ने साथ आने के संकेत दिए, बीजेपी का सरकार बनाने का लक्ष्य।
- **पीओके :** दूसरे चरण की वोटिंग शुरू, पीपुल्स पार्टी ने धांधली के आरोप लगाए।
- **नई दिल्ली:** भारत बोला- पहले आतंक का ढांचा खत्म करे पाकिस्तान, तभी सिंधु जल संधि पर बात होगी।
- **नई दिल्ली:** नीट-यूजी की काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी, एमबीबीएस में दाखिले के लिए एजुकेशनल सेशन 8 सितंबर से।
- **यूक्रेन:** जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देश से पैट्रियट मिसाइलें मांगी, बोले- यूक्रेन भेजिए, गोदाम में नहीं।
- **मलेशिया:** पाकिस्तानी के साथ पकड़ी गई पंजाबी युवती गायब, नानी बोली- फोन बंद, मां की मौत हो चुकी।

बंगाल एसटीएफ का दावा- जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़फोड़ करने वाला था संदिग्ध जैश आतंकी

पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था, गर्लफ्रेंड भी गिरफ्तार

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। एसटीएफ के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को सीजेपी के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था।

एसटीएफ के आईजी गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने उसे 14 दिन की एसटीएफ हिरासत में भेज दिया है। एसटीएफ ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद भट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे।

सोशल मीडिया से कट्टरपंथी बना हमीम

- एसटीएफ के अनुसार, हमीम सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथ की ओर आकर्षित हुआ और बाद में पाकिस्तान स्थित ऑपरेटिव्स के संपर्क में आया।
- जांच में उसके और अर्पिता के पास से ब्रिटेन और मैक्सिको के इंटरनेशनल सिम कार्ड बरामद हुए हैं। एजेंसी को शक है कि इन सिम कार्ड का इस्तेमाल हैंडलर्स और स्लीपर सेल से एन्क्रिप्टेड बातचीत के लिए किया जाता था।
- एसटीएफ के मुताबिक, हमीम और अर्पिता की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी और दोनों पिछले चार साल से रिश्ते में थे।
- दोनों ने पाकिस्तानी हैंडलर्स के कहने पर सेंसिटिव जानकारी निकालने के लिए असरदार लोगों के साथ पर्सनल रिश्ते बनाने की योजना बनाई थी। दोनों पिछले चार साल से कॉन्टैक्ट में थे, पहले इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई और बाद में पर्सनली मिले।

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। एसटीएफ के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी। उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। एसटीएफ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रची थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच कर रहे हैं।

गतिविधियों पर नजर रख रहा था

एसटीएफ के मुताबिक 23 साल का हमीम हावड़ा में काम करता था। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वह बर्धमान चला गया था, जहां उसने अपार्टमेंट किराए पर लिया। जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वह पिछले दो-तीन महीनों से छिपा हुआ था। हमीम एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए आतंकवादी संगठन के उस मॉड्यूल से जुड़ा, जिसे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर चलाते थे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकलेगी आज श्रावण मास की पहली सवारी

रजत पालकी में श्रद्धालुओं को होंगे भगवान चंद्रमौलेश्वर के दर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रावण भादौ मास में श्री महाकालेश्वर भगवान के नगर भ्रमण का क्रम आज से शुरू होने वाला है। सोमवार अपरांह पहली सवारी मंदिर से निकाली जाएगी। इस दौरान पुष्प सज्जित रजत पालकी में श्रद्धालुओं को भगवान के चंद्रमौलेश्वर स्वरूप के दर्शन होंगे। सवारी दर्शन के लिए बडी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे। सवारी मार्ग पर इसके लिए तैयारियां की गई है।

सोमवार अपरांह मंदिर के सभा कक्ष में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का पूजन अर्चन किया जाएगा। उसके उपरांत रजत पालकी में भगवान को सवार कर नगर भ्रमण के लिए प्रस्थित किया जाएगा। नगर भ्रमण के लिए मंदिर

से बाहर आने पर सशस्त्र गारद सलामी देगा। पुलिस बैंड एवं सशस्त्र गारद सवारी में शामिल रहेंगे। शिप्रा तट रामघाट पर भगवान के पूजन उपरांत सवारी परंपरागत मार्ग से गोपाल मंदिर पहुंचेगी । यहां पूजन उपरांत सवारी की शाम को मंदिर वापसी होगी। सवारी के साथ भजन, कीर्तन, झांझ, डमरू मंडलियां शामिल होंगी। इस बार सवारी मार्ग चौडीकरण होने से नए स्वरूप में निखरा हुआ रहेगा।

दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग

पिता जूनियर इंजीनियर, उनकी सैलरी में बेटे की अमेरिका में पढ़ाई कैसे हुई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सूरत

सूरत के आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को शिकायत भेजी है।

तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में जूनियर इंजीनियर थे। उनकी मासिक सैलरी करीब 60-65 हजार थी। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि उन्होंने अपने बच्चों की अमेरिका में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया।

अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार से भगवानराव दीपके की आय और संपत्ति की जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि सीजेपी राजनीतिक

दल की तरह काम कर रही है, लेकिन उसका चुनाव आयोग में पंजीकरण नहीं है और वह चंदा भी जुटा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से कहा कि अगर सीजेपी राजनीतिक दल की तरह काम कर रही है और चंदा ले रही है, तो उसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29अ के तहत राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए।

सीजेपी आंदोलन पर भी उठाए सवाल- अमित तिवारी ने सीबीआईसी से अपनी मांग में कहा कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सीजेपी को फंड के तौर पर जो 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है, उस पर भी 18% जीएसटी लगाया जाए।

5 अगस्त को कॉकरोच जनता पार्टी की अहम बैठक

नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आंदोलन चलाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कोर कमेटी की अहम बैठक 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होगी। बैठक में संगठन की आगे की रणनीति और भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आवास पर आयोजित होगी। इसमें आंदोलन से जुड़े प्रमुख सदस्य हिस्सा लेंगे और पिछले आंदोलन के अनुभवों के साथ आगे की कार्ययोजना पर विचार करेंगे।

नाना ने गोबर के ढेर में नाती को जिंदा गाड़ कर खाया जहर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बालाघाट

प्रदेश के बालाघाट जिले में अविवाहित बेटी से जन्मे नवजात शिशु को जिंदा दफनाने का मामला सामने आया है। वारासिवनी थाना क्षेत्र के नांदगांव पंचायत में यह घटना हुई। राज छिपाने के लिए नाना ने बच्चे को गोबर के ढेर में गाड़ दिया। इसके बाद नाना ने खुद भी जहर खा लिया, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस को घटना की जानकारी 31 जुलाई को मिली थी. हालांकि, तेज बारिश और अंधेरा होने के कारण नवजात का शव 1 अगस्त को निकाला जा सका। पुलिस ने शव बरामद कर जांच शुरू कर दी है। वारासिवनी पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा

सांसद पर शख्स ने जूता फेंका

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पप्पू के घर पर कॉन्फ्रेंस के बीच एक आदमी ने उनके ऊपर जूता फेंक दिया। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की।

पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख रु. देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई

है। इससे पहले वाराणसी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दो सांसदों पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। ये रिपोर्ट दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में पेश किए गए नाटक के खिलाफ हुई है। संतों ने बताया कि संसद में चढ़ावा चोरी के नाम पर जो कुछ भी दिखाया गया, वह सनातन का अपमान है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है था।

होर्मुज खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर सहमति बनी

ईरान पर हमला फिलहाल टाला : ट्रम्प

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था।

उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी।

राजधानी दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में कांपी धरती

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राहत की बात ये है कि इस भूकंप के बाद अभी तक कहीं से भी किसी प्रकार के जान या माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। हालांकि भूकंप के बाद लोग जरूर सहम गए। दिल्ली में आए भूकंप का मुख्य केंद्र राजधानी का उत्तरी जिला रहा। जहां रविवार सुबह 2.9 तीव्रता का भूकंप आया।

सबसे पहले रविवार तड़के राजधानी दिल्ली में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रविवार तड़के 4.14 बजे राजधानी दिल्ली में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 2.9 दर्ज की गई। इस भूकंप का केंद्र राजधानी के उत्तरी जिला में जमीन के नीचे 8 किमी की गहराई में था। इस भूंकप के कारण कहीं

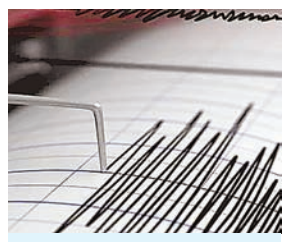

अरुणाचल प्रदेश में भी आया भूकंप

इसके बाद पूर्वोत्तर के ही राज्य अरुणाचल प्रदेश में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। ये भूकंप सुबह 5.38 बजे आया। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 2.8 दर्ज की गई।

से भी किसी प्रकार का नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। दिल्ली के बाद पूर्वोत्तर के राज्य असम के बरपेटा में भी भूकंप आया। एनसीएस के मुताबिक, ये भूकंप सुबह 5.25 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 2.4 दर्ज की गई। इस भूकंप का केंद्र बरपेटा में जमीन की नीचे 4 किमी की गहराई में था।

बारामूला में ओवर ग्राउंड वर्कर को सुरक्षा बल ने किया गिरफ्तार

एमपी-5 पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और मोबाइल बरामद

एजेंसी ▸▸ बारमूला

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने एक ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एमपी-5 पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस, मैगजीन, मोबाइल फोन और बैग बरामद हुआ है। मामले में शिरी थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सुरक्षाबलों ने रविवार को जंदफरन-गोरिवान क्रॉसिंग पर नाकेबंदी की थी। इसमें 46 राष्ट्रीय राइफल्स, एसओजी बारामूला, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन और बीएसएफ की 112वीं बटालियन शामिल थी। जांच के दौरान गोरिवान की ओर से आ रहा एक संदिग्ध नाकेबंदी देखकर भागने लगा। जवानों ने पीछा कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान ऐजाज अहमद गनी के रूप में हुई है। वह नामबलन, शीरी का रहने वाला है। सुरक्षा एजेंसियां उसके आतंकी नेटवर्क से संबंध और गतिविधियों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य एजेंसियां क्षेत्र में शांति बनाए रखने और आतंकियों के मददगारों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी।

राजस्थान के 24 जिलों में बारिश से सड़कों पर पानी भरा

बिहार में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत

केरलम और कर्नाटक में भूस्खलन से 11 लोगों की जानें गई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया।

वहीं, बिहार के बांका में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

केरल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे।

बारिश के लिए प्रार्थना की

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2 हजार लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

यातायात में व्यवधान दो तरफा परेशानी

महाआयोजन के लिए शहर में निमार्णों की बाढ सी आई हुई है। तय है इतने निमार्णों का प्रभाव आमजन जीवन पर पडेगा ही और पड रहा है। इसमें बराबर देखने में आ रहा है कि यातायात में व्यवधान में दो तरफा परेशानियों का सामना जिम्मेदारों को करना पड रहा है। पास के शहर में भी सडकों के पास निर्माण हो रहे हैं। मजाल है यातायात में व्यवधान की स्थिति बने। बराबर मार्ग भी चलता है और निर्माण भी होते रहता है। वहां निर्माण के लिए जरूरत की सडक के बाद बीच में पतरों की दिवार बना दी जाती है। इसके बाद सडक के एक छोर पर यातायात बराबर संचालित होता रहता है और दुसरी और के हिस्से में निर्माण का कार्य गति पकडता रहता है। धर्मनगरी में एक भी ऐसे निर्माण में इस तरह से काम को अंजाम देते निर्माण एजेंसियों को नहीं देखा गया है। खास तो यह है कि पास के शहर से ही अधिकांश अधिकारी यहां आए हैं उसके बाद भी निर्माण एजेंसियों को इस तरह से काम के लिए न तो कहा जा रहा है न ही उनसे करवाया जा रहा है। इसके साथ ही शहर में आवागमन करने वाले वाहन चालकों की स्थिति यह है कि वे सकरे मार्गों पर भी दोनों और से जारी यातायात में भी ओवरटेक की स्थिति से मार्ग को बार-बार जाम करने में ज्यादा रूचि रखते हैं बजाय इसके की एक के पीछे एक चलकर मार्ग को दोनों और से सूचारू आवागमन रखने के। अधिकांश मार्गों पर यही समस्या देखी जा रही है। इसके कारण से आए दिन पुराने एवं नए शहर में जाम के हालात आम होते जा रहे हैं। वर्दी जिन मार्गों पर आवागमन की सुधार के लिए कवायद शुरू करती है उसी मार्ग पर खुदाई का काम शुरू हो जाता है। इससे भी समस्याएं बढ रही है। क्षेत्र वार खुदाई एवं निमार्णों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए तो काम में गति भी आएगी और इससे समस्याएं भी एक दम प्रभावी नहीं हो सकेंगी। अभी तो यह स्थिति है कि आवागमन करने वाले हम किसी से कम नहीं और हमारे बराबरी में कोई निकल के दिखाए ऐसा किसी में दम नहीं की तर्ज पर वाहन चालन कर रहे हैं। खुसूर-फुसूर है कि शहर में आवागमन के मार्गों में ही नगर सेवा के वाहन परेशानियों को देखते हुए भी चाहे जहां वाहनों को रोक कर सवारी बैठाने का अपना तरीका अब भी अपना रहे हैं टावर चौक पर जाकर देखें वहां वाहनों की पार्किंग से पूरा चौक ही पटा पडा रहता है। वहां से ब्रिज के रास्ते में वाहनों के अवरोध ही अवरोध देखने को मिलेंगे। शहर में वाहन चालकों को भी इस बात को समझना होगा कि मात्र वर्दी ही वर्तमान हालात में समस्या का निदान नहीं कर सकती है उसमें वाहन चालकों को भी सहयोगी की भूमिका में आकर वाहन चालन करना होगा जब जाकर ही वर्तमान हालातों में भी सुलभ एवं सुचारू आवागमन मुख्य सडकों पर बराबर बना रहेगा अन्यथा जाम के हाल तो सहना ही हैं।

नैनो न्यूज

- जैनाचार्य श्रीपूज्य श्री जिनचंद्र सूरि जी महाराज साहब का अनंताय रिसोर्ट, उज्जैन में मंगल पदार्पण 5 अगस्त से प्रारंभ होगा सत्य साधना शिविर
- एसडीएम को सौंपा आठ सूत्रीय ज्ञापन, इन्फ्लुएंसर के गर्भगृह में जाने और पास की कालाबाजारी पर उठाए सवाल
- ऑनेस्टी म्यूज़िकल एकेडमी ने दी संगीतमय श्रद्धांजलि, नेत्रहीन गायक गौरव सहित चार को मिला बेस्ट सिंगर अवॉर्ड
- नशा मुक्ति अभियान का समापनः शासकीय नवीन कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिरसागर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- लायंस क्लब सुरभि सहित अन्य संस्थाओं ने 101 पौधे लगाकर की शुरूआत, नगर निगम करेगा फेंसिंग
- श्री नाकोड़ा तीर्थ के ट्रस्टी गौतमजी बालड़ ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल पहुंचकर गुरुदेव का पूजन कर आशीर्वाद लिया।

ट्रेंडिंग

जीरो बैलेंस खातों के अपडेट न होने से आ रही समस्या के चलते

प्रतिवर्ष जिले में 3 हजार स्कूली विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सरकार की और से स्कूली विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति में प्रति वर्ष जिले के करीब 3 हजार छात्र इससे वंचित हो रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसदी विद्यार्थी निजी स्कूलों के हैं,जहां छात्रवृत्ति को लेकर उदासीनता बरती जा रही है। जीरो बैलेंस पर विद्यार्थियों के खोले गए खातों के अपडेट न होने से यह समस्या प्रति वर्ष बन रही है।

जिला शिक्षा विभाग के अधिकृत सूत्रों के अनुसार सत्र 2023-24 और 2024-25 की छात्रवृत्ति का भुगतान बड़ी संख्या में इसलिए अटका हुआ है क्योंकि विद्यार्थियों के बैंक खातों की जानकारी त्रुटिपूर्ण होने से भुगतान के ट्रांजेक्शन बार-बार विफल हो रहे हैं। इसके अलावा कई विद्यार्थियों के स्कूल छोड़ देने (ड्रॉपआउट) तथा कुछ स्कूलों के बंद होने या अन्य स्कूलों में विलय होने से भी भुगतान प्रभावित हुआ है। विभागीय अधिकारी बताते हैं कि विद्यार्थियों के बैंक खातों का सत्यापन और अद्यतन कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन अपेक्षित प्रगति हर वर्ष ही अपेक्षित रहने से जिले में करीब 3 हजार विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं। इनमें से 2 हजार से अधिक विद्यार्थी निजी स्कूलों के होते हैं।

वंचितों में निजी स्कूलों का प्रतिशत 75 से अधिक सामने आया

छात्र वृत्ति की योजना

प्राथमिक (कक्षा 1-5)कक्षाओं में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति की बालिकाओं को 250 वार्षिक, माध्यमिक (कक्षा 6-8) में अजा एवं अजजा विद्यार्थियों को 200 से 600 वार्षिक, हाईस्कूल (कक्षा 9-10) में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 600 से 1,200 वार्षिक और हायर सेकेंडरी (कक्षा 11-12) में मध्यप्रदेश के मूल निवासी अजा, अजजा एवं ओबीसी विद्यार्थियों को डे-स्कॉलर के लिए 230 प्रतिमाह तथा छात्रावासी के लिए 380 प्रतिमाह छात्रवृत्ति मिलती है। वहीं डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना में शासकीय विद्यालय से 12वीं में जिले में सर्वाधिक अंक लाने वाले सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को 5,000 वार्षिक और गांव की बेटी योजना में ग्रामीण क्षेत्र की 12वीं में 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को 500 प्रतिमाह (10 माह के लिए कुल 5,000)मिलते हैं।

बैंक खातों के कारण परेशानी

छात्रवृत्ति से वंचित होने का मामला अकेले उज्जैन जिले का ही नहीं है। प्रदेश में कक्षा 1 से 12 तक के करीब 3.43 लाख स्कूली विद्यार्थियों को पिछले दो वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिल सकी है। इनमें 2.66 लाख सरकारी स्कूलों के अनुसूचित जाति (अजा) और अनुसूचित जनजाति (अजजा) वर्ग के विद्यार्थी तथा 77 हजार निजी स्कूलों में आरटीई के तहत पढ़ने वाले गरीब बच्चे शामिल हैं। छात्रवृत्ति भुगतान में सबसे बड़ी बाधा विद्यार्थियों के बैंक खातों में पाई गई तकनीकी त्रुटियां बनी हुई हैं। बैंक खाते अपडेट कराने के लिए अभिभावकों की उपस्थिति आवश्यक होती है। बड़ी संख्या में अभिभावक रोजगार के लिए दूसरे शहरों या जिलों में चले जाते हैं, जिससे समय पर बैंक खाते अपडेट नहीं हो पाते।

दर्शन व्यवस्था में पारदर्शिता एवं सुधार को लेकर हुआ आंदोलन

मंदिर में जारी वीआईपी दर्शन आम श्रद्धालुओं के साथ भेदभाव

युवक कांग्रेस ने भेदभाव समाप्त करने एवं मंदिर समिति को कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की दर्शन व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं। व्यवस्था में पारदर्शिता एवं सुधार को लेकर समिति के अधिकारी को अध्यक्ष एवं कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। युवक कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाते हुए दिया महाकाल मंदिर में जिला कलेक्टर के नाम 8 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मंदिर प्रबंध समिति अधिकारी रंजना पाटीदार को सौंपा है।

युवक कांग्रेस उत्तर विधानसभा अध्यक्ष यश जैन के अनुसार इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मंदिर के नीलकंठ द्वार से अंदर की ओर बढ़ते हुए शंख द्वार की तरफ से आ रही वीवीआईपी की गाड़ियां भी रोकी।

भस्मार्ती अनुमति प्रक्रिया पारदर्शी हो

प्रतिदिन वितरित की जाने वाली लगभग 2500 भस्म आरती प्रवेश अनुमति (पास) किन-किन संस्थाओं, संगठनों अथवा व्यक्तियों को प्रदान की जाती है, इसकी सूची सार्वजनिक की जाए तथा पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। भस्म आरती पासों की कथित कालाबाजारी एवं अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

प्रोटोकाल बंद की हकीकत बयां की

संगठन का आरोप है कि मंदिर में श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या को देखते हुए प्रबंधन द्वारा प्रोटोकॉल दर्शन व्यवस्था को बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। आम श्रद्धालु इस व्यवस्था का पालन करते हुए लंबी कतारों में खड़े होकर दर्शन कर रहे हैं, किंतु वास्तविक स्थिति यह है कि अनेक वीआईपी, वीवीआईपी, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों को आज भी प्रोटोकॉल के माध्यम से नंदी हॉल एवं चांदी द्वार से दर्शन कराए जा रहे हैं। इससे आम श्रद्धालुओं में भारी असंतोष एवं भेदभाव की भावना उत्पन्न हो रही है। इसे लेकर आंदोलनकारियों ने तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए बताया कि यदि श्रावण मास में प्रोटोकॉल दर्शन व्यवस्था बंद की गई है, तो उसका पालन सभी पर समान रूप से किया जाए। किसी भी वीआईपी, वीवीआईपी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी अथवा उनके परिजनों को विशेष प्रवेश न दिया जाए। मंदिर प्रशासन, जिला प्रशासन, शासन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं तथाकथित वीआईपी परिवारों को विशेष दर्शन की सुविधा पूर्णतः बंद की जाए, ताकि सभी श्रद्धालुओं के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित हो सके।

नियमों का पालन समान हो

मंदिर परिसर में मोबाइल प्रतिबंध के नियम का समान रूप से पालन कराया जाए। यदि आम श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल प्रतिबंधित है, तो यह नियम मंदिर प्रशासन, सुरक्षा कर्मियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों पर भी समान रूप से लागू किया जाए। श्रद्धालुओं के मोबाइल सुरक्षित रखने हेतु मंदिर परिसर के बाहर पर्याप्त एवं सुरक्षित मोबाइल जमा (लॉकर/डिपॉजिट) व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, जिससे श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

कार्रवाई नहीं तो आंदोलन

मंदिर प्रशासन द्वारा सभी श्रद्धालुओं के लिए पारदर्शी, समान एवं न्यायसंगत दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी प्रकार का भेदभाव समाप्त हो और श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे। कुछ दिन पूर्व दिल्ली के इन्फ्लुएंसर अक्षय आनंद बाबा महाकाल के गर्भ ग्रह का वीडियो वायरल हुआ था वो किसकी अनुमति से गर्भगृह में गया उसपर अभी तक कोई कार्यवाही क्यो नहीं हुई उचित कार्यवाही कर दोषी को तत्काल प्रभाव से हटाये। उपरोक्त मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में संगठन ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

महाकाल की सवारी से पहले सवारी मार्ग को दिया जा रहा भव्य स्वरूप

वॉल पेंटिंग से निखरेगी धार्मिक पहचान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रावण माह में निकलने वाली बाबा महाकाल की पहली सवारी को लेकर नगर पालिक निगम ने तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। सवारी मार्ग के चौड़ीकरण के साथ अब सौंदर्यीकरण, सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर पूरे मार्ग को आकर्षक, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है।

हरसिद्धि पाल से रामघाट और सत्यनारायण मंदिर से छत्री चौक तक चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। रामानुज कोट से रामघाट मार्ग तक प्रभावित भवनों पर ग्रीन नेट लगाए जा रहे हैं। वहीं रिटेनिंग वॉल और अन्य दीवारों पर सिंहस्थ महापर्व, साधु-संतों और धार्मिक स्थलों पर आधारित आकर्षक वॉल पेंटिंग बनाई जा रही है, जिससे सवारी मार्ग को धार्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप मिलेगा। महाकाल की सवारी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने को देखते हुए निगम ने स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी है। सवारी मार्ग पर सीमेंट-कंक्रीट सड़क और चैंबर निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। रामघाट स्थित राणौजी की छत्री पर डोम लगाने, पेयजल व्यवस्था, सूचना संकेतक लगाने सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसके अलावा नालियों और चैंबरों की सफाई तथा फायर फाइटर से घाटों की धुलाई का कार्य भी लगातार जारी है।

श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सवारी मार्ग से अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी लगातार की जा रही है। निगम का लक्ष्य है कि सवारी के दिन पूरा मार्ग साफ, सुरक्षित और व्यवस्थित रहे।

सिंहस्थ के लिए तैयार होंगे 750 स्नेक कैचर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट परिसर में शुक्रवार से स्नेक कैचर और सर्पदंश का प्रशिक्षण शुरू किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर यह प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री के उज्जैन प्रवास के दौरान उन्होंने होमगार्ड के जवानों को सर्पदंश और स्नेक कैचर के प्रशिक्षण के संबंध में निर्देश दिए थे।

प्रशिक्षण के पहले दिन करीब 185 लोगों को सांप पकड़ने की सुरक्षित विधि, सर्पों के विभिन्न प्रकार और विशेष रूप से सांप को डिब्बे में बंद कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की प्रक्रिया के बारे में एसडीईआरएफ के मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण दिया। होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने बताया कि स्नेक कैचिंग का यह प्रशिक्षण सिंहस्थ-2028 की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी होगा।

कुंभ मेले के दौरान कहीं सांप

निकलने पर उसके काटने से कम लोग प्रभावित होते हैं, लेकिन दहशत के कारण कई बार भगदड़ की स्थिति बन जाती है। इससे बड़ी दुर्घटना की आशंका रहती है।

सिंहस्थ में संवेदनशील स्थानों पर तैनात होंगे स्नेक कैचर- सिंहस्थ के दौरान होमगार्ड विभाग 750 प्रशिक्षित स्नेक कैचर्स की टीम तैयार करेगा। इन प्रशिक्षित सदस्यों को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाएगा।कहीं भी सांप निकलने पर टीम उसे बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित तरीके से पकड़ेगी, डिब्बे में बंद करेगी और सुरक्षित स्थान पर छोड़ देगी। इसी उद्देश्य से होमगार्ड कार्यालय में प्रशिक्षण की शुरूआत की गई है।

आज मंगल-राहु के बीच बनेगा नवपंचम योग

मेष, मिथुन, तुला और कुंभ राशि के जातकों को ऊर्जा और आर्थिक लाभ के मिल सकते हैं संकेत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

2 अगस्त को मंगल और राहु के बीच एक विशेष नवपंचम योग का निर्माण होगा, जो 18 सितंबर तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान मेष, मिथुन, तुला और कुंभ राशि के जातकों को ऊर्जा, आत्मविश्वास और आर्थिक लाभ के संकेत मिल सकते हैं।

ग्रहों के पराक्रमी सेनापति माने जाने वाले मंगल 2 अगस्त की रात वृषभ राशि को छोड़कर मिथुन राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। इस राशि परिवर्तन के साथ ही मंगल और राहु के बीच एक विशेष नवपंचम योग का निर्माण होगा, जो 18 सितंबर तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान मंगल, राहु से पंचम भाव में स्थित होंगे, जबकि राहु मंगल से नवम भाव में विराजमान रहेंगे। ज्योतिष शास्त्र में इस योग को सामान्यतः शुभ माना जाता है। यही वजह है कि क्रूर ग्रह माने जाने के बावजूद मंगल और राहु का यह संयोग कुछ राशियों के लिए सकारात्मक परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। खासतौर पर मेष, मिथुन, तुला और कुंभ राशि के जातकों को ऊर्जा, आत्मविश्वास और आर्थिक लाभ के संकेत मिल सकते हैं।

मेष राशि- मेष राशि के स्वामी मंगल ही हैं, ऐसे में उनका गोचर आपके लिए खास प्रभाव डाल सकता है। राहु के साथ बनने वाला नवपंचम योग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक रहेगा। करियर के क्षेत्र में अच्छे अवसर मिल सकते हैं और आपकी मेहनत रंग ला सकती है। जो लोग शेयर बाजार या निवेश से जुड़े हैं, उन्हें अचानक लाभ मिलने की संभावना बन रही है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है, जिससे जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। तकनीकी या मैनेजमेंट से जुड़े कार्यों में भी सफलता के योग बन सकते हैं।

मिथुन राशि- मिथुन राशि में मंगल का प्रवेश आपके लिए नई ऊर्जा लेकर आएगा। राहु के साथ बनने वाला यह योग आपकी निर्णय क्षमता को मजबूत कर सकता है। पहले से रुका हुआ धन मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। जो लोग नया व्यापार शुरू करने की सोच रहे हैं, उनके लिए समय अनुकूल रह सकता है। आप आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे और पुराने अनुभवों से सीख लेकर बेहतर निर्णय ले पाएंगे।

तुला राशि- तुला राशि के लिए यह योग भाग्य में वृद्धि का संकेत दे सकता है। विशेषकर आईटी और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। करियर में प्रगति के चलते आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। कारोबारियों को अपने व्यापार का विस्तार करने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और कुछ लोगों को अचानक अप्रत्याशित स्रोतों से धन लाभ भी हो सकता है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए मंगल और राहु का यह योग ऊर्जा और उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अधिक मेहनत करते नजर आएंगे और आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं। करियर में रणनीतिक फैसले आपके पक्ष में जाएंगे। आय में वृद्धि के संकेत हैं और यदि कहीं पैसा अटका हुआ है तो उसके वापस मिलने की संभावना भी बनती है। पारिवारिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिससे मानसिक संतुलन बेहतर रहेगा।

विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत की त्रिदिवसीय प्रांतीय बैठक का उज्जैन में शुभारंभ

अभियान के माध्यम से मालवा प्रांत में 5 लाख से अधिक नए हितचिंतक जोड़ने का लक्ष्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत की आगामी छह माह की कार्ययोजना, संगठन विस्तार और विभिन्न आयामों की गतिविधियों को लेकर त्रिदिवसीय प्रांतीय बैठक का शुभारंभ उज्जैन में हुआ।

प्रांत प्रचार प्रमुख विश्व हिंदूपरिषद मालवा से गन्नी चौकसे द्वारा बताया गया कि प्रांतभर के 29 जिलों से 350 से अधिक पदाधिकारी इस महत्वपूर्ण बैठक में सहभागी बने हैं। बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए क्षेत्र संगठन मंत्री राजाराम जी ने कहा कि समाज की मूल शक्ति हमारी परिवार व्यवस्था है। इसे सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने विहिप की केंद्रीय बैठक में पारित प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी देते हुए आगामी छह माह के संगठनात्मक विस्तार, सेवा, संस्कार, समरसता, गौरक्षा तथा सामाजिक जागरण से संबंधित कार्यक्रमों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती तथा परम श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मालवा प्रांत में समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर अनेक जनजागरण एवं संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, हितचिंतक अभियान के माध्यम से मालवा प्रांत में 5 लाख से अधिक नए हितचिंतक जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक में विहिप की पत्रिका हिन्दू उदय का विमोचन हुआ

बैठक में केंद्रीय मंत्री अखिल भारतीय सेवा प्रमुख अजय पारिख मातृशक्ति की राष्ट्रीय संयोजिका सरोज सोनी, दुर्गा वाहिनी की राष्ट्रीय सह-संयोजिका पिंकी पवार, क्षेत्र संगठन मंत्री राजाराम, क्षेत्र गौरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा, प्रांत अध्यक्ष मुकेश जैन, प्रांत उपाध्यक्ष माला ठाकुर, अजय कोठी, प्रांत मंत्री विनोद शर्मा तथा प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव, सह प्रचार प्रसार प्रमुख राज जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | सोमवार 3 अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज कॉलम

हर घर तिरंगा अभियान के जरिए भाजपा करेगी घर-घर संपर्क

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी वो राजनीतिक दल हे जो चुनावी वर्ष हो या सामान्य समय अपने संगठन और कार्यकर्ताओं को लगातार सक्रिय रखने के लिए विभिन्न अभियान चलाती रहती है। राष्ट्रीय पर्वों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से पार्टी बूथ स्तर तक अपनी पहुंच और संगठनात्मक मजबूती बनाए रखने की रणनीति पर काम करती है। इसी कड़ी में 9 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अभियान के लिए भाजपा के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे को प्रदेश संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल की सहमति से इंदौर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने जिला स्तरीय टोली का गठन किया है।

पुलिस ने सागर जा रही शराब की खेप पकड़ी

इंदौर। मल्हारगंज थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान लाखों रुपए की शराब से भरा एक आयशर वाहन पकड़कर चालक को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शराब की खेप घाटा बिल्लौद स्थित ग्रेट गेलियन वेंचर्स लिमिटेड फैक्ट्री से सागर भेजी जा रही थी। हालांकि जांच के दौरान चालक परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद पुलिस ने आबकारी विभाग को सूचना देकर कार्रवाई शुरू की। मल्हारगंज थाना प्रभारी नीरज बिरथरे ने बताया कि पुलिस टीम बड़े गणपति क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आयशर को रोककर जांच की गई। चालक ने अपना नाम सुमित पुत्र मनमोहन सिंह गोर, निवासी रायसेन बताया। वाहन की तलाशी लेने पर विभिन्न ब्रांड की पेटियां शराब मिली।

इंदौर में फिर पर्चियों पर जमीनों के सौदे

इंदौर। शहर में एक बार फिर डायरी पर जमीन के सौदों का खेल शुरू हो गया है। रेरा की मंजूरी मिलने से पहले ही कॉलोनाइजर प्लॉट बेच रहे हैं। कई प्रोजेक्ट्स में सरकारी एजेंसियों की मंजूरियां अधूरी होने के बावजूद निवेशकों को यह कहकर फंसाया जा रहा है कि अभी खरीदेंगे तो सस्ता मिलेगा। मंजूरी आते ही रेट बढ़ जाएंगे। एडवांस के तौर पर कैश में मोटी रकम ली जा रही है और इसके बदले में न कोई वैध एग्रीमेंट किया जा रहा है न कोई पक्की रसीद दी जा रही है। यह वही मॉडल है, जिसमें शहर के सैकड़ों परिवारों की जिंदगीभर की पूंजी डूब चुकी है। गृह निर्माण संस्थाओं और अवैध कॉलोनियों के नाम पर हुए घोटालों में लोग आज भी डायरी और पर्चियां लेकर कभी जनसुनवाई तो कभी थानों के चक्कर काट रहे हैं।

इंदौर की शिवानी शाह को नेशनल अवार्ड

इंदौर। विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए समावेशी और सहज वातावरण तैयार करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहीं इंदौर की आर्किटेक्ट और सामाजिक उद्यमी शिवानी शाह को आईएफआईपी नेशनल इन्क्लूजन अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें शनिवार को नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित वर्ल्ड इन्क्लूजन कॉन्फ्रेंस इंडिया-2026 में दिया गया। शिवानी शाह को यह राष्ट्रीय सम्मान ऑटिज्म, एडीएचडी, इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी और न्यूरोडेवलपमेंटल चुनौतियों से जूझ रहे बच्चों एवं लोगों के लिए उनकी जरूरतों के अनुरूप समावेशी वातावरण विकसित करने और नवाचार आधारित पहल के लिए दिया गया।

नैनो न्यूज

- **भोपाल:** राज्य सरकार ने 400 वर्ष पुरानी मुगलकालीन भूमिगत जलापूर्ति प्रणाली के संरक्षण और पुनर्जीवन की योजना पर काम शुरू किया।
- **इंदौर:** केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (उइठ) ने चार स्थानों पर छापेमारी कर 2.72 टन डोडाचूरा और 2.019 किलोग्राम अफीम जब्त की, तीन आरोपी गिरफ्तार।
- **मौसम:** मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया।
- **खेल:** मध्य प्रदेश के बल्लेबाज रजत पाटीदार को दलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन टीम का कप्तान बनाया गया।
- **सतना:** चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू की।
- **भोपाल:** विधानसभा के मानसून सत्र में किसानों, बारिश, सिंचाई और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा तेज रहने के आसार हैं।
- **कृषि:** नाफेड की प्याज खरीद को लेकर मध्य प्रदेश की उपज पर सवाल उठने से किसानों और व्यापारियों के बीच चर्चा तेज हुई।
- **प्रशासन:** लगातार बारिश को देखते हुए जिला प्रशासनों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव दल सतर्क रखने के निर्देश दिए गए हैं।

16 अगस्त के बाद घरेलू दर पर सिलेंडर की पात्रता हो सकती है प्रभावित

घरेलू गैस उपभोक्ता हैं तो तत्काल बायोमेट्रिक ई-केवाईसी करवाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी से जुड़ा अभियान शहर में तेज कर दिया गया है। गैस एजेंसियों पर इसके लिए तेजी से काम किया जा रहा है। बकाया उपभोक्ताओं को इसके लिए आग्रह किया जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं का सत्यापन अभी लंबित है, उन्हें मोबाइल पर संदेश भेजकर 16 अगस्त 2026 से पहले ई-केवाईसी पूरी करने के लिए कहा जा रहा है।

गैस एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के अनुसार कंपनियों ने घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी का काम कुछ माह पूर्व शुरू किया था। इसे लेकर चल रही धीमी गति को तेज कर दिया गया है।

मोबाइल ऐप, अधिकृत डिलीवरी कर्मचारी के माध्यम से कर सकते हैं ई-केवायसी

- **इंडेन के संदेश में तीन बातें** - बायोमेट्रिक आधार ई-केवाईसी लंबित है। प्रक्रिया 16 अगस्त तक पूरी करनी है। सत्यापन नहीं होने पर घरेलू दर पर सिलेंडर लेने की पात्रता ई-केवाईसी पूरी होने तक प्रभावित हो सकती है।
- **घर बैठे करें ई केवायसी-** एजेंसी के अधिकृत सूत्रों के अनुसार उपभोक्ता एजेंसी पर आकर प्रक्रिया पूर्ण कर या फिर ई-केवाईसी घर बैठे कंपनी के मोबाइल ऐप, संबंधित गैस एजेंसी या सिलेंडर पहुंचाने वाले अधिकृत डिलीवरी कर्मचारी के माध्यम से पूरी कर सकते है। इसमें बायोमेट्रिक जानकारी प्रमुख है।

इसे अभियान के रूप में लिया जाने लगा है। बताया जा रहा है कि कंपनियों की और से उपभोक्ताओं को भेजे जा रहे संदेश में कहा जा रहा है कि निर्धारित तारीख तक सत्यापन नहीं होने पर वे ई-केवाईसी पूरी होने तक घरेलू दर पर सिलेंडर प्राप्त करने के पात्र नहीं रह सकते।

उपभोक्ता सावधानी की जरूरत

सूत्रों के अनुसार कंपनियों की और से ताजा रटर में घरेलू दर पर सिलेंडर मिलने की पात्रता प्रभावित होने की बात है, लेकिन सिलेंडर कनेक्शन हमेशा के लिए बंद होने या रिफिल की आपूर्ति पूरी तरह रोक देने का कोई स्पष्ट नया केंद्रीय आदेश सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। बताया जा रहा है कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 मार्च 2026 को जारी स्पष्टीकरण में कहा था कि ई-केवाईसी केवल उन उपभोक्ताओं के लिए जरूरी है, जिन्होंने अभी तक प्रक्रिया पूरी नहीं की है। मंत्रालय ने उस समय यह भी कहा था कि ई-केवाईसी लंबित होने के कारण रिफिल की आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी। दूसरी ओर, जुलाई के अंतिम सप्ताह में भेजे गए रटर में घरेलू दर पर सिलेंडर प्राप्त करने की पात्रता को ई-केवाईसी से जोड़ा गया है। इसलिए अभी सबसे सटीक स्थिति यह है कि ई-केवाईसी लंबित होने पर घरेलू मूल्य या सब्सिडी लाभ प्रभावित हो सकता है, लेकिन गैस सप्लाई पूरी तरह बंद होने का दावा पुष्ट नहीं है।

डिलेवरी न मिले तो उपभोक्ता को कारण जानने का अधिकार

ई-केवाईसी पूरी होने के बावजूद बुकिंग रद्द होने या सिलेंडर की डिलीवरी न मिलने पर उपभोक्ता सबसे पहले संबंधित गैस एजेंसी से लिखित या डिजिटल कारण मांग सकते हैं। इसके बाद कंपनी के आधिकारिक मोबाइल ऐप या ग्राहक सेवा माध्यम पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के आधिकारिक पोर्टल पर सामान्य एलपीजी टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-3555 और उज्ज्वला हेल्पलाइन 1800-266-6696 दी गई है। गैस लीकेज जैसी आपात स्थिति के लिए 1906 नंबर है।

सोशल मीडिया बन रही जनता की आवाज, शनि मंदिर के बंद रास्ते का वीडियो वायरल

सड़क बनने के बाद भी मुख्य द्वार पर रखी बोरियों से रास्ता बंद होने ओर गंदगी की शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि आम लोगों की समस्याओं को जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों तक पहुंचाने का एक प्रभावी मंच बनता जा रहा है। शहर में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां सोशल मीडिया पर उठाई गई शिकायतों के बाद प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी है।

ऐसा ही एक मामला इंदौर के प्राचीन शनि मंदिर, जूनी इंदौर के मुख्य मार्ग का सामने आया है। यहां रहने वाली क्षेत्र की रहवासी सोनाली पुराणिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार वाली सड़क पर

पिछले कई दिनों से रखी बोरियों की समस्या को उजागर किया है। वीडियो में उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान सड़क इन बोरियों को सड़क के ऊपर डालने का कार्य किया गया था।

अब सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन बोरियां हटाने के बजाय मंदिर के मुख्य द्वार के सामने ही डाल दी गई हैं, जिससे रास्ता लगभग बंद हो गया है जिससे रहवासियों ओर आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण भीगी हुई बोरियों के आसपास मच्छर पनपने लगे हैं, वहीं लोगों ने वहां कचरा फेंकना भी शुरू कर दिया है। इससे वातावरण प्रभावित हो रहा है और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

मच्छरों से बीमारी का खतरा बढ़ रहा

सोनाली पुराणिक ने संबंधित विभाग और नगर निगम से तत्काल बोरियां हटाने की मांग की है और कहा कि सड़क निर्माण हो जाने के बाद भी अभी तक सड़क चालू नहीं की गई है जिसके कारण वह से तो परेशान नहीं हुई और इन बोरियों के कारण पनप रहे मच्छरों से बीमारी का खतरा बढ़ रहा है क्या इस छोटे से बात के लिए भी हमें धरना देना होगा। अब देखना यह होगा कि सोशल मीडिया पर उठी यह आवाज संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियो तक कितनी जल्दी पहुंचती है और मार्ग से यह अवरोध कब तक हटाया जाता है।

एनजीटी की दोटूक

पानी छिड़ककर नहीं, ठोस कदम से घटाएं प्रदूषण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

राजधानी में वायु प्रदूषण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नगर निगम, जिला प्रशासन और मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) को तत्काल प्रभाव से प्रदूषण नियंत्रण के उपाय लागू करने के लिए कहा है।

न्यायाधिकरण ने कहा कि खराब होती वायु गुणवत्ता को नियंत्रित करने के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) की निगरानी में किसी भी तरह की हेराफेरी पर रोक लगाने को कहा है। एनजीटी की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच ने शुक्रवार को गौरव सक्सेना बनाम मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य की सुनवाई के बाद न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति एसके सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने आदेश जारी किया।एनजीटी ने नगर निगम आयुक्त, कलेक्टर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिए कि वे शहर में धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और अन्य प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करें तथा उसकी नियमित निगरानी भी सुनिश्चित करें। अधिकरण ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका वास्तविक प्रभाव भी दिखाई देना चाहिए।

रतलाम कोटा मेमो ट्रेन का पेटों टूटा

डाउन ट्रेक का परिचालन तीन घंटे रहा प्रभावित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर रोड

रविवार की सुबह रतलाम से कोटा के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन का पेंटो (रेल्वे ट्रैक से गुजरने वाली मुख्य विद्युत लाइन से ट्रेनों को पावर देने वाले इंस्ट्रूमेंट) के टूट जाने से यह यात्री गाड़ी करीब 1 घंटे से अधिक समय से यहां के रेल्वे स्टेशन पर खड़ी रही रेल्वे के संबंधित विभाग की टीम ने तत्काल पावर इंजिन के पास पहुंचकर पैंटों को दुरुस्त किया ओके रिपोर्ट देने के बाद अधिकारियों द्वारा ओके रिपोर्ट देने के बाद ट्रेन को आगे के लिये रवाना किया गया इस घटना के चलते नागदा से आकर कोटा की और जाने वाली यात्री ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से चली। इस वजह से इस ट्रेन सहित विलंबित हुई अन्य ट्रेनों से यात्रा कर रहे यात्रियों को परेशान होना पड़ा।

इंदौर में बारिश के बीच दौड़ने का जोश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स की ओर से आयोजित 'रैनाथॉन-10 किमी मॉनसून नाइट रन' का 9वां संस्करण शनिवार रात 10 बजे पितृ पर्वत से शुरू हो गया। बारिश के मौसम में आयोजित इस खास नाइट रन में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से करीब 2 हजार रनर्स ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रन शुरू होते ही पूरा माहौल जोश और ऊर्जा से भर गया। रन का शुभारंभ पितृ पर्वत स्थित से किया गया। इसके बाद प्रतिभागी निर्धारित मार्ग से होते हुए मॉडल स्कूल, गोमटगिरि, नया बसेरा, सुमतिधाम कॉलोनी (गोधा एस्टेट), बाहुबली नगर और आकाश ग्रीन कॉलोनी से होकर वापस पितृ पर्वत पहुंचेंगे। पूरे मार्ग पर सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण, चिकित्सा सहायता और हाइड्रेशन की विशेष व्यवस्था की गई है।

सीएम मोहन यादव ने भोपाल में की घोषणा

आचार्य समय सागर महाराज होंगे मप्र के राजकीय अतिथि, विधानसभा आने का भी दिया निमंत्रण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

राजधानी भोपाल में रविवार को आचार्य समय सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए आचार्य समय सागर महाराज को मध्य प्रदेश का राजकीय अतिथि घोषित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में गुरुदेव के पुनः पदार्पण पर राज्य सरकार उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें राजकीय अतिथि के रूप में स्वीकार करती है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा का समारोह में मौजूद श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने आचार्य समय सागर महाराज के पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आचार्य श्री ने उन्हें शास्त्र भेंट किए। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष पंकज सुपारी, पूर्व अध्यक्ष मनोज बांगा, प्रमोद जैन और हिमांशु जैन ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। समारोह में मंत्री विश्वास सारंग, विधायक आलोक शर्मा, राहुल कोठारी, रविंद्र यति, राजकुमार पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजजन उपस्थित रहे।

संतों का सान्निध्य देवमार्ग पर ले जाता है

- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य जीवन 84 लाख योनियों के बाद प्राप्त होता है और इसी जीवन से दो मार्ग निकलते हैं—एक देवत्व की ओर और दूसरा कष्टों की ओर। उन्होंने कहा कि यदि संतों का सान्निध्य मिल जाए तो मनुष्य का देवमार्ग निश्चित हो जाता है।
- उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के साथ अपने वर्षों पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्हें कई अवसरों पर उनके दर्शन और मार्गदर्शन का सौभाग्य मिला और अब आचार्य समय सागर महाराज के रूप में वही आध्यात्मिक परंपरा आगे बढ़ रही है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिक विरासत, संत परंपरा और सेवा भाव से है। दुनिया जहां शक्ति और संघर्ष के रास्ते पर चल रही है, वहीं भारत ने हमेशा आत्मसंयम, अहिंसा और करुणा का मार्ग दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक हैं और शासन का प्रत्येक निर्णय समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए होना चाहिए।

हैदराबाद उड़ान को तिरुपति तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर नहीं हो सका अमल

राजा भोज एयरपोर्ट से साउथ की राह हुई कठिन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर/भोपाल

भोपाल से दक्षिण भारत का हवाई कनेक्शन लगातार कमजोर हो रहा है। चेन्नई, तिरूपति एवं कोच्चि तक लंबे समय से उड़ान नहीं है। हाल ही में बेंगलुरू उड़ान के फेरे भी कम हो गए हैं। हैदराबाद उड़ान को तिरूपति बालाजी तक बढ़ाने का निर्णय भी नहीं हो सका है। किसी समय भोपाल से जेट एयरवेज सबसे बड़ा एयरलाइंस ऑपरेटर था। कंपनी ने भोपाल को पहली बार चेन्नई उड़ान के साथ भोपाल को दक्षिण भारत से जोड़ा। बाद में स्पाइस जेट ने भी दक्षिण भारत के कई शहरों तक उड़ानें शुरू कीं।

कुछ समय बाद जेट एयरवेज बंद हो गई। स्पाइस जेट ने भी भोपाल से अपनी सभी उड़ानें बंद कर दीं। नतीजा भोपाल का साऊथ कनेक्शन कट गया। कुछ समय बाद इंडिगो ने भोपाल में दस्तक दी। कंपनी ने पहली बार हैदराबाद एवं बेंगलुरू उड़ान के साथ भोपाल का साऊथ कनेक्शन जोड़ा था। कुछ समय तक बेंगलुरू उड़ान को चेन्नई तक बढ़ाया गया लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया। इसकी जगह बेंगलुरू उड़ान को कोच्चि (कोचीन) से जोड़ा गया। अब यह उड़ान केवल बेंगलुरू तक ही जाती है। बेंगलुरू की दूसरी उड़ान के फेरे भी कम कर दिए गए हैं। दूसरी उड़ान अब सप्ताह में तीन दिन संचालित होती है।

तिरूपति बालाजी जाने वाले निराश

भोपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु तिरूपति बालाजी जाते हैं। कई भक्त तिरूमाला दर्शन करने साल में दो से तीन बार जाते हैं। सीधी उड़ान नहीं होने से श्रद्धालु निराश हैं। हैदराबाद से तिरूपति एयरपोर्ट कुछ ही दूरी पर है। यदि हैदराबाद उड़ान को तिरूपति तक बढ़ाया जाए तो श्रद्धालुओं की आस पूरी हो सकती है । वर्तमान में बालाजी दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के पास ट्रेन से जाने का ही विकल्प है। इसमें समय बहुत लगता है। नियमित रूप से दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों को अर्से से सीधी उड़ान का इंतजार है।

विकसित शहर की पहचान सीधी उड़ान

किसी भी विकसित शहर की पहचान देश के प्रमुख शहरों तक सीधी उड़ान होना है लेकिन भोपाल से साऊथ कनेक्शन लंबे समय से कमजोर है। हमनें इस संबंध में एयरलाइंस कंपनियों की नेटवर्क प्लानिंग टीम से आग्रह किया है। जल्द ही सांसद के माध्यम से नागरिक उड्डयन मंत्री से मिलेंगे।- रजत पल्लव सिंह, टीम लीडर भोपाल इन्वेंटमेंट एंड डेवलपमेंट।

कभी नहीं मिली सुविधा

तिरूमाला जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हजारों में है। दक्षिण भारत में कई दूसरे धार्मिक स्थल भी हैं। ट्रेन से जाना परेशानी भरा सफर है। श्रद्धालुओं की भावनाओं को देखते हुए साऊथ कनेक्शन मजबूत होना चाहिए। हैदराबाद उड़ान का तिरूपति तक आसानी से बढ़ाया जा सकता है।

- अशोक हिमथानी, श्रद्धालु तिरूपति बालाजी।

यात्री मिल रहे थे फिर भी बंद

भोपाल से दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों तक जब भी उड़ानें शुरू हुई हैं, उन्हें पूरा रिस्पांस मिला है। चेन्नई, तिरूपति एवं कोच्चि तक कम से कम सप्ताह में एक दिन उड़ान होना चाहिए। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भोपाल से एक भी उड़ान नहीं होना आश्चर्य की बात है।

- ओमप्रकाश शेरू, ट्रेवल्स एजेंट।

भाजपा का कांग्रेस पर तंज

जीतू पटवारी के घर जाने से पहले हेलमेट पहनें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निवास पर हुए विवाद की घटना को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह यादव ने तंज कसते हुए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वे अब जीतू पटवारी के घर हेलमेट और सेल्फ डिफेंस किट पहनकर जाएं, ताकि किसी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

राकेश सिंह यादव ने जारी बयान में कहा कि हाल ही में हुई मारपीट की घटना से कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को सबक लेना चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि सभी कांग्रेसियों को तत्काल आत्मरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा उपकरण खरीद लेने चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सेल्फ डिफेंस किट में पेपर स्प्रे, पर्सनल अलार्म, सेल्फ डिफेंस स्टिक (बैटन) और की-चेन सुरक्षा उपकरण जैसे साधन शामिल होने चाहिए, ताकि आपात स्थिति में उनका उपयोग किया जा सके। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सलाह कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हित में दी जा रही है, जिससे वे जीतू पटवारी के घर पिटने से बच सके। दरअसल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के इंदौर स्थित निवास पर हाल ही में आयोजित संगठनात्मक बैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं के कथित विवाद और हंगामा हुआ था।

जब मुंशी प्रेम चंद ने कर दी गोरो की पिटाई

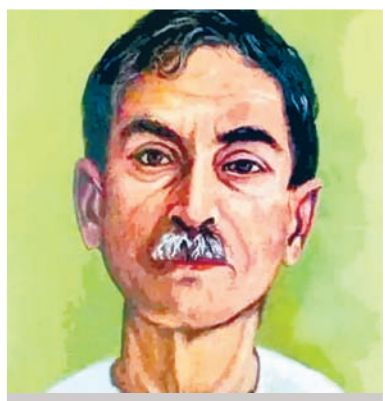

एक गोरा खिलाड़ी तो इस कदर बेकाबू हो गया कि स्कूल के एक खिलाड़ी को बूट से मारते हुए अंग्रेजी में गालियां देने लगा। दर्शकों में एक युवक ऐसा था जो अंग्रेजी का जानकार था। तब वह चुनार में अंग्रेजी के ट्यूशन के लिए मशहूर था। उसने गोरे को गाली देते हुए सुना तो सहन नहीं कर सका। वहीं मैदान से बांस का एक मोटा डंडा उखाड़ा और गाली दे रहे गोरे के ऊपर दनादन बरसाने लगा। 1899 की बात है। मिजार्पुर, उत्तर प्रदेश के चुनार में फुटबॉल का एक मैच चल रहा था। एक ओर सैनिक छावनी के गोरे सिपाही थे तो दूसरी ओर वहीं के मिडिल स्कूल के कर्मचारी। मैच में स्कूल की टीम जब भी बढ़त बनाती, दर्शक जोश से भर उठते। गोल लगता तो उनकी जोर की आवाज आती- हिप-हिप हुर्रे! हर नारे में चुनार के लोगों का प्रतिरोध दिखता, जो गोरों के खिलाफ था। स्कूल की टीम ने एक-एक कर कई गोल किए और जीत गई। यह जीत गोरे खिलाड़ियों को रास नहीं आई। वे हिप-हिप हुर्रे से चिढ़ गए। उनके बीच का एक गोरा खिलाड़ी तो इस कदर बेकाबू हो गया कि स्कूल के एक खिलाड़ी को बूट से मारते हुए अंग्रेजी में गालियां देने लगा। दर्शकों में एक युवक ऐसा था जो अंग्रेजी का जानकार था। तब वह चुनार में अंग्रेजी के ट्यूशन के लिए मशहूर था। उसने गोरे को गाली देते हुए सुना तो सहन नहीं कर सका। वहीं मैदान से बांस का एक मोटा डंडा उखाड़ा और गाली दे रहे गोरे के ऊपर दनादन बरसाने लगा। उसे देखकर मैदान में और भी लोग आ गए। गोरों की बड़ी फजीहत हुई। गोरे की धुलाई करने वाला यह दुबला पतला युवक उसी स्कूल में अध्यापक था। बीस रुपए महीने की नौकरी उसे मुश्किल से मिली थी, और इसकी उसे जरूरत भी थी। लेकिन घटना के बाद उसे चुनार छोड़ना पड़ा। इसके बाद उसने बनारस का रुख किया और आगे चलकर अन्याय के विरोध में डंडे की जगह कलम उठा ली। उसकी कलम भी इतनी ताकतवर निकली कि गोरे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। शुरू में उसने जो लिखा, सब जब्त कर लिया गया। लेकिन युवक न रुका, न अपने तेवर बदले। हां, अपना नाम और भाषा जरूर बदल ली। बदली हुई भाषा थी हिंदी, और बदला हुआ नाम था मुंशी प्रेमचन्द।

सम्पादकीय

कश्मीर में फिर टारगेट किलिंग

दक्षिणी कश्मीर के पुलगाम में आतंकवादियों ने छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की गोलियां मारकर हत्या कर दी। दोनों मजदूर ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे थे। आतंकवादियों ने इनका नाम और धर्म पूछा और फिर इन पर गोलियां बरसा दीं। इस हमले में दीपक रात्रे और भूपेन्द्र की मौत हो गई। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर में धर्म पूछकर गोलियां बरसाई जाती रही हैं। घाटी में महज 10 दिनों के भीतर टारगेट किलिंग की यह दूसरी वारदात है।

दक्षिणी कश्मीर के पुलगाम में आतंकवादियों ने छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की गोलियां मारकर हत्या कर दी। दोनों मजदूर ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे थे। आतंकवादियों ने इनका नाम और धर्म पूछा और फिर इन पर गोलियां बरसा दीं। इस हमले में दीपक रात्रे और भूपेन्द्र की मौत हो गई। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर में धर्म पूछकर गोलियां बरसाई जाती रही हैं। घाटी में महज 10 दिनों के भीतर टारगेट किलिंग की यह दूसरी वारदात है। गत 22 जुलाई को ही अनंतनाग के मुख्य बाजार लालचौक पर आतंकवादियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस के हैड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या कर दी थी। घाटी में आम नागरिकों को चुन-चुन कर निशाना बनाने की आतंकवादियों की नीति पिछले कई वर्षों से सामने आती रही है। शिक्षक, कश्मीरी पंडित, बैंक अधिकारी, पुलिस कर्मी और गैर कश्मीर प्रवासी मजदूर आतंकियों के निशाने पर रहे हैं। टारगेट किलिंग का मकसद दहशत फैलाना है। वास्तव में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद दम तोड़ चुका है। अब केवल बचे-खुचे आतंकी पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं, ताकि अपनी मौजूदगी का अहसास कराते रहें।

अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। अब कश्मीर में स्थिति शां?तिपूर्ण और सामान्य है। घाटी में बाजार गुलजार हैं और देशभर के पर्यटक जम्मू-कश्मीर पहुंच रहे हैं। विकास की बड़ी परियोजनाएं शुरू की जा चुकी हैं। कश्मीरी आवाम के बच्चे एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करते जा रहे हैं। कश्मीरी आवाम की सोच में बहुत परिवर्तन आया है। कश्मीरी युवाओं की आंखों में उम्मीदों की चमक साफ देखी जा रही है। कश्मीरी युवा अब शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक कार्यों में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार की मिशन यूथ जैसी पहलों के माध्यम से हजारों युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

प्रकृति की सुन्दरता में नया रंग

सावन : शिवभक्ति, प्रकृति और भारतीय संस्कृति का शुभ उत्सव

भारतीय पंचांग और जनमानस में सावन का महीना आस्था, उल्लास और प्रकृति के पुनर्जन्म का एक जीवंत कालखंड है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सावन या श्रावण मास की शुरूआत तब होती है जब सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करते हैं और पूर्णिमा के दिन चंद्रमा 22 वें नक्षत्र श्रवण में विराजमान होते हैं। इसी पवित्र नक्षत्र के नाम पर इस महीने का नाम श्रावण पड़ा है। इस दौरान ग्रहों की स्थिति में जल तत्त्व की प्रधानता अत्यधिक हो जाती है। सूर्य और चंद्रमा के विशेष गोचर के कारण पृथ्वी का वायुमंडल नमी और शीतलता से भर जाता है, जिसे ज्योतिष और योग विज्ञान में आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत करने, ध्यान-साधना और मानसिक शांति के लिए अनुकूल माना गया है।

सनातन परंपरा में सावन की धार्मिक मान्यता और महत्व सीधे तौर पर भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक इतिहास और कथाओं के अनुसार, इसी पवित्र महीने में देवों और दानवों के बीच समुद्र मंथन हुआ था। उस मंथन से निकले हलाहल विष को पीकर महादेव ने पूरी सृष्टि की रक्षा की थी। विष के उस तीव्र ताप को शांत करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन पर पवित्र गंगाजल और शीतल जल अर्पित किया था, जिससे जलाभिषेक की शाश्वत परंपरा का जन्म हुआ। यही कारण है कि सावन में शिव उपासना और सोमवार के व्रतों का विशेष महत्व है, जो मनुष्य के भीतर छिपे विकारों को नष्ट कर आत्मा की शुद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

सावन में प्रकृति और पर्यावरण भी एक सक्रिय साधक की तरह प्रतिभाग करते हैं। ग्रीष्म ऋतु की झुलसाने वाली गर्मी के बाद जब मानसून की पहली फुहारें धरती पर गिरती हैं, तो पूरी प्रकृति हरे रंग की चुनर ओढ़ लेती है। सूखे पेड़-पौधे, नदियाँ और ताल-तलैया नवजीवन से लबालब भर उठते हैं। पर्यावरण का यह उल्लास सीधे तौर पर हमारे सामाजिक सरोकारों से जुड़ जाता है। खेतों में लहलहाती फसलें किसानों के चेहरों पर जहाँ नई उम्मीद और मुस्कान लाती हैं, वहीं गाँवों और कस्बों में पेड़ों पर पड़ने वाले झूले, कजरी और मल्हार के गीत आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का सुंदर ताना-बाना बुनते हैं। यह महीना ऊँच-नीच के भेदों को मिटाकर समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोने का काम करता है।

भारत की समृद्ध संस्कृति और प्राचीन साहित्य में सावन की चर्चा हर कालखंड में बहुत गहराई से मिलती है। महाकवि कालिदास के मेघदूतम् से लेकर सूरदास, तुलसीदास के पदों और विभिन्न अंचलों के लोकगीतों तक, सावन के बादलों को प्रेम, विरह, श्रृंगार और ईश्वर से मिलन के जीवंत प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है। भारत के विभिन्न हिस्सों में इस महीने को मनाने के तरीके हमारी विविधता में एकता का दर्शन कराते हैं। उत्तर भारत में जहाँ विशाल कांवड़ यात्राएं निकलती हैं, हरियाली तीज और रक्षाबंधन की धूम होती है, वहीं गुजरात और महाराष्ट्र जैसे पश्चिमी राज्यों में श्रावण पूर्णिमा को नारली पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है, जहाँ मछुआरे और आम जन समुद्र देव की पूजा करते हैं। दक्षिण भारत में यद्यपि पंचांग की गणना अमावस्यांत कैलेंडर के कारण तिथियां थोड़ी भिन्न होती हैं, लेकिन वहाँ भी मानसून के आगमन और शिव मंदिरों में विशेष अनुष्ठानों का उत्साह और उमंग बिल्कुल समान होता है।

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि सावन चातुर्मास का वह अहम समय होता था जब प्राचीन काल में व्यापारिक और सैन्य यात्राएँ रोक दी जाती थीं। संत-महात्मा, विद्वान और यहाँ तक कि राजा-महाराजा भी एक ही स्थान पर रुककर अपना समय धर्म, साहित्य, कला और जनकल्याण के चिंतन में व्यतीत करते थे।

वर्तमान में सावन का यह उत्सव अपने पारंपरिक स्वरूप के साथ-साथ आधुनिकता के रंग में भी पूरी तरह ढल चुका है। आज के समय में लोग मंदिरों में जाकर रुद्राभिषेक तो करते ही हैं, साथ ही शहरी जीवन में तीज मिलन समारोह, डिजाइनर परिधानों के साथ सांस्कृतिक संध्याएं और सोशल मीडिया के माध्यम से भक्ति गीतों का आनंद भी लेते हैं। युवा वर्ग पूरे जोश और ऊर्जा के साथ कांवड़ यात्रा में शामिल होता है, जिसमें अब आधुनिक सुविधाएं, डीजे की धुनें और समाजसेवियों द्वारा लगाए गए विशाल सेवा शिविर भी देखने को मिलते हैं, जो इस प्राचीन पर्व को एक नया सामाजिक विस्तार देते हैं।रूचियां और फुर्सत की गतिविधियां

इस वर्ष सावन का पवित्र महीना 30 जुलाई से आरंभ होकर 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के साथ संपन्न होगा। इस पावन मास में शिवभक्तों के लिए सोमवार के व्रत का विशेष महत्व है, जो क्रमशः 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त और 24 अगस्त को रखे जाएंगे। व्रतों और त्योहारों की इस सतत श्रृंखला में 9 अगस्त को कामिका एकादशी का व्रत एवं सावन शिवरात्रि 11 अगस्त को मनेगा जिसमें जलाभिषेक सर्वाधिक पुण्य माना जाता है। इसके पश्चात 15 अगस्त को सुहागिन स्त्रियों का प्रिय पर्व हरियाली तीज मनाया जाएगा, जिसमें वे माता पार्वती और भगवान शिव की आराधना कर अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी। प्रकृति और जीवों के प्रति सम्मान दर्शाने वाला नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त को मनाया जाएगा और 23 अगस्त को श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। अंततः 28 अगस्त को भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन के पावन पर्व और श्रावण पूर्णिमा के साथ ही भक्ति, उल्लास और सामाजिक समरसता से भरा यह सावन मास अपनी पूर्णता को प्राप्त करेगा। सावन का यह पूरा कालखंड मनुष्य को यह सिखाता है कि जिस तरह बारिश की बूंदें धरती की तपन बुझाती हैं, उसी तरह ईश्वर की भक्ति और प्रकृति का सान्निध्य मनुष्य के मन की हर पीड़ा को हर कर उसे नवजीवन से भर देता है।

- दुर्गेश्वर राय

चाय की दुकान

शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर मन्नू की चाय की दुकान केवल एक गुमटी नहीं थी बल्कि उस पूरे इलाके की धड़कन थी जहाँ रोज सुबह से देर रात तक लोगों का तांता लगा रहता था। उस छोटी सी दुकान के कोने में लकड़ी की एक पुरानी बेंच रखी थी जहाँ हर शाम रामनाथ जी आकर बैठते थे। सफेद कुर्ता-पायजामा पहने और चेहरे पर एक अजीब सी खामोशी लिए रामनाथ जी जब भी आते तो मन्नू बिना कुछ पूछे मिट्टी के कुल्हड़ में कड़क अदरक वाली चाय उनके सामने रख देता था। रामनाथ जी चाय का केवल एक घूँट लेते और फिर उस आधे भरे कुल्हड़ को घंटे भर अपने हाथों में पकड़े टुकुर-टुकुर सामने की सड़क को निहारते रहते थे। मन्नू ने सालों से यह माजरा देखा था लेकिन उसने कभी उनसे इस बात का कारण पूछने की हिम्मत नहीं जुटाई थी। एक दिन जब दुकान पर ग्राहकों की भीड़ कुछ कम हुई तो मन्नू से रहा नहीं गया और वह हाथ में पोछा लिए उनके पास जाकर खड़ा हो गया। मन्नू ने बहुत ही सहेज कर अपनी बात रखते हुए पूछा ₹बाबूजी आप रोज आते हैं और इतनी बढ़िया गरम चाय का बस एक घूँट पीकर छोड़ देते हैं, बाकी की पूरी चाय ठंडी होकर बेकार हो जाती है, क्या हमारी चाय का स्वाद आपको पसंद नहीं आता या फिर कोई और बात है? रामनाथ जी ने एक गहरी सांस ली और अपने कांपते हाथों से उस कुल्हड़ को सहलाते हुए मुस्कुराए। उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक तैर गई और उन्होंने धीमी आवाज में कहा मन्नू भाई इस कुल्हड़ की मिठास तो मुझे उस राह पर ले जाती है जहाँ मेरा पूरा संसार बसा हुआ है। रामनाथ जी की बात सुनकर मन्नू की उत्सुकता और बढ़ गई क्योंकि उसे लगा कि शायद किसी पुराने प्यार या खोए हुए रिश्ते की कहानी अब बाहर आने वाली है। उन्होंने आगे बोलना शुरू किया मन्नू तुम्हें शायद पता नहीं है कि यह आधा भरा कुल्हड़ मेरे लिए सिर्फ चाय का बर्तन नहीं बल्कि उम्मीद की वह आखिरी किरण है जो मुझे रोज जीने की वजह देती है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 03 अगस्त 2026 सोमवार
सूर्योदय - 06:02 सूर्यास्त 19:03
श्रावण मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - पंचमी 22:54 उपरांत षष्ठी
नक्षत्र - उत्तराभाद्रपदा 22:00 उपरांत रेवती
योग - सुकर्मा 21:13 उपरांत धृति
करण - कौलव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मीन में रहेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 19 तारिख

मेष- व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी।
वृषभ- परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। कुसंगति से बचें।
मिथुन- नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें।
कर्क- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।
सिंह- कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। धनार्जन होगा।
कन्या- आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
तुला- अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।
वृश्चिक- पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।
धनु- चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। थकान महसूस होगी।
मकर- यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। पूजा-पाठ में मन लगेगा।
कुंभ- थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे।
मीन- धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। प्लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6300 से 6350 विशाल 6050 से 6150 मसूर 6000 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9500 से 9900 उड़द गर्मी 8800 से 9500 ग्रेविटी क्लीन 10000 से 10200 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7200 से 8500 काबुली रशियन 5800 बिटकी 5200 से 5300 सरसों निमाड़ी 7800 से 8100 रायडा 7000 से 7100 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7200 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7700 से तुअर दाल 7400 से 7600 मूंग दाल 8800 से 8900 बेस्ट 9000 से 9100 मूंग मोगर 10900 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द दाल 10800 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द मोगर 12000 से 12300 बेस्ट 12400 से 12700 मसूर दाल 7950 से 8050 बेस्ट 8150 से 8250 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली-5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर-4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,41,700 रवा-1,41,600 चांदी- टंच- 2,20,500 पाट-2,20,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

समसामयिक

युवा शक्ति: किसी का मोहरा नहीं, विकसित भारत का इंजन बने

भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है। यह केवल जनसांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि 21वीं सदी में भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति है। विकसित भारत, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों की सफलता का आधार हमारी युवा शक्ति ही है।

डा मनमोहन प्रकाश (दैनिक अवन्तिका)

सूचना क्रांति के इस दौर में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती तथ्य और भ्रम, तर्क और प्रचार, तथा राष्ट्रहित और संकीर्ण स्वार्थ के बीच अंतर करने की है। भारत जैसे लोकतंत्र में असहमति और शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक अधिकार है। किंतु यदि युवा ऊर्जा केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण, भ्रामक सूचनाओं, सोशल मीडिया ट्रेंड्स और क्षणिक उत्तेजनाओं तक सीमित रह जाएगी, तो शिक्षा, परीक्षाएँ, रोजगार, सुशासन और अनुसंधान जैसे वास्तविक राष्ट्रीय मुद्दे पीछे छूट जाएँगे। जिन देशों ने अपनी युवा शक्ति को शिक्षा, अनुसंधान, उद्योग और नवाचार से जोड़ा है, वे ही दीर्घकाल में तकनीकी महाशक्ति बन सके हैं। डिजिटल क्रांति ने जहाँ युवाओं को अभूतपूर्व अवसर दिए हैं, वहीं डीपफेक, साइबर हेरफेर और दुष्प्रचार जैसी नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में डिजिटल साक्षरता और सूचनाओं का सत्यापन प्रत्येक युवा का नैतिक दायित्व है।

भारत केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि विनिर्माण, रक्षा उत्पादन, फिनटेक और नवाचार का वैश्विक केंद्र बन रहा है। यदि युवाओं की ऊर्जा निरंतर टकराव और वैचारिक कटुता में व्यय होगी, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव देश के निवेश और उत्पादकता पर पड़ेगा। प्रगति केवल सरकारों से नहीं, बल्कि समाज की स्थिरता और युवाओं की रचनात्मक क्षमता से सुनिश्चित होती है। युवाओं को राजनीति में सक्रिय होना चाहिए, किंतु यह भागीदारी किसी दल का अंधानुकरण करने या प्रचार-युद्ध का हिस्सा बनने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज ऐसी युवा राजनीति की आवश्यकता है जो समस्याओं के व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करे। युवाओं को केवल नारे लगाने या धरना-प्रदर्शन के बजाय नीति-निर्माण, सामाजिक नवाचार और वैज्ञानिक अनुसंधान में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। हिंसा और अराजकता से दूरी बनाना प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है।

विकसित भारत का निर्माण संसद की बहसों से परे प्रयोगशालाओं, शिक्षण संस्थानों, स्टार्टअप हबों, खेतों और उद्योगों में होगा। आज देश को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो दूरदर्शी उद्यमी, उत्कृष्ट शिक्षक, कुशल इंजीनियर और समर्पित नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। प्रत्येक युवा को यह तय करना होगा कि वह किसी के वैचारिक एजेंडे का मोहरा बनना चाहता है या विकसित भारत का दूरदर्शी निर्माता।

तुम्हें क्या मिलता है...!

दुनिया में कभी-भी ऐसा नहीं चलता,
दिमाग गरम रहें तो प्यार नहीं पलता।
क्यों? यूं स्वयं को इतना जला रहे हो,
दूसरों को मानसिक संत्रास दे रहे हो।
बताओ ऐसा कर तुम्हें क्या मिलता है,
क्रोध में कब प्रेम का फूल खिलता है।
अपने स्वभाव को भी दूरदेशी बनाओ,
अपने प्रति सबके मन में प्रेम जगाओ।
मैंने माना बहुत ही कठिन है यह डगर,
सोचो कैसे चलेगा ऐसे पूरें जिंदगी भर।
कल को तुम तनहाँ ही तो रह जाओगे,
सबके प्रेम से हमेशा वंचित हो जाओगे।

श्रावण मास में विशेष : भगवान शिव के साथ तीन का संयोग

सनातन धर्म में भगवान शंकर का अति महत्वपूर्ण स्थान है। ब्रह्मा, विष्णु और महेश इन त्रिमूर्ति के बिना इस सृष्टि की रचना की कल्पना असम्भव है। ये तीनों इस सृष्टि के रचनाकार हैं, रक्षक हैं और संहारक भी है। जब भक्तगण शिव भक्ति साहित्य का अध्ययन करते हैं तो यह पाते हैं कि शिव के जीवन में शतीन्य संख्या का अत्यधिक महत्व है-

डॉ. शारदा मेहता (दैनिक अवन्तिका)

1. त्रिनेत्र- इनके तीन नेत्र हैं। इनके तीसरे नेत्र का महत्वपूर्ण स्थान है। यह ज्ञानचक्षु है। यह नेत्र जब शिवजी कुपित होते हैं तब खुलता है। कामदेव पर जब शिवजी क्रोधित हुए तब उन्होंने अपना तीसरा नेत्र खोलकर उसको भस्म कर दिया था। यह नेत्र शिव की असीम शक्ति का प्रतीक है। पृथ्वी पर जब अनाचार अत्याचार और अशान्ति फैलती है तब कुपित शिवजी अपना तृतीय नेत्र खोलकर विश्व में शान्ति स्थापित करते हैं।

2. त्रिशूल- शिवजी अपने हाथ में त्रिशूल धारण करते हैं। यह भी सत्व, रज और तमो गुण का प्रतीक है। यह तीन कालों का प्रतिनिधित्व करता है। सत, रजत और तमो गुण भी इसमें समाविष्ट है। शिवजी ने गुणों को त्रिशूल रूप में

धारण कर रखा है। यह भूत, भविष्य और वर्तमान को इंगित करता है।

3 त्रिपुंड- सफेद चंदन से शिवजी अपने मस्तक पर तीन पंक्तियों से निर्मित तिलक धारण करते हैं जिसे त्रिपुंड कहा जाता है। त्रिपुंड में तीन रेखाएं होती हैं। प्रत्येक रेखा में नौ देवता होते हैं, इस प्रकार कुल सत्ताईस देवताओं का निवास त्रिपुंड में होता है। त्रिपुंड लगाने से सकारात्मक ऊर्जा और दिव्य शक्ति प्राप्त होती है। त्रिपुंड लगाने से अहंकार, अज्ञानता और मोह माया से मुक्ति प्राप्त होती है। त्रिपुंड की तीन रेखाएं ब्रह्मा, विष्णु और महेश की प्रतीक हैं।

4 बिल्व पत्र- भगवान शिव को बिल्व-पत्र अत्यधिक प्रिय है। इसमें भी तीन पत्र होते हैं। कहा जाता है कि माता पार्वती के स्वेद बिन्दु से बिल्व वृक्ष की उत्पत्ति हुई है। इसके तीन पत्रों में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास है। बिल्व पत्रों के कुछ वृक्षों पर पाँच और सात पत्रों के बिल्व पत्र भी पाये जाते हैं। भगवान शिव को चढ़ाये जाने के लिए तीन पर्ण वाले अखंडित बिल्व पत्र का ही चयन किया जाता है।

5 पुष्प- भगवान शिव को वैसे तो सभी प्रकार के सुगन्धित पुष्प समर्पित किए जाते हैं परन्तु विशेष कर धतूरा, आंकड़ा और हारसिंगार के फूलों का शिव पूजन में विशेष महत्व है।

6 सन्तान- शिवजी सम्पूर्ण सृष्टि के पालनहार हैं परन्तु पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इनकी तीन सन्तानें हैं- 1 श्रीगणेशजी, 2. श्रीकार्तिकेयजी और 3. अशोकसुन्दरी जो शिवजी की जलाधारी के अन्तिम छोर पर निवास करती है। कुछ पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शिवजी की पाँच कन्याएँ दर्शाई गई है।

इस प्रकार हम सभी के जीवन के रक्षक भगवान शिव अपनी असाधारण छबि के कारण अपने भक्तों पर सर्वदा कृपा बनाए रखते हैं। भगवान शिव को भोला भंडारी भी इसीलिए कहा जाता है। एक लोटा अभिषेक के जल से तथा सामान्य पूजन से भी प्रसन्न होकर अपने भक्तों पर कृपा बनाए रखते हैं।

धर्म-आस्था

रुद्राष्टकम का प्रथम श्लोक : शिव के परब्रह्म स्वरूप का दिव्य उद्घोष

श्रावण मास आते ही देश के कोने-कोने में शिवालयों की घंटियाँ गूंजने लगती हैं। शिवभक्त जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जप और रुद्राष्टकम के पाठ के माध्यम से भगवान शिव की आराधना करते हैं। करोड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक रुद्राष्टकम का पाठ करते हैं, परंतु बहुत कम लोग इस बात पर विचार करते हैं कि गोस्वामी तुलसीदास ने इस अमर स्तोत्र का प्रारंभ भगवान शिव के जटाधारी, त्रिशूलधारी अथवा नीलकंठ स्वरूप से नहीं, बल्कि उनके परब्रह्म स्वरूप की वंदना से क्यों किया।

अजयकुमार बियाणी (दैनिक अवन्तिका)

रुद्राष्टकम का प्रथम श्लोक भारतीय दर्शन, वेदांत और भक्ति का अद्भुत समन्वय है। यह केवल स्तुति नहीं, बल्कि शिवतत्त्व का ऐसा आध्यात्मिक परिचय है जो साधक को बाहरी उपासना से भीतर की अनुभूति तक ले जाता है।

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं
विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं
चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम॥

इस श्लोक का पहला ही शब्द नमामि सम्पूर्ण समर्पण का प्रतीक है। तुलसीदास कहते हैं-मैं उन ईशान, देवों के भी देव, भगवान शिव को प्रणाम करता हूँ। यहाँ शिव किसी एक देवता के रूप में नहीं, बल्कि समस्त देवशक्तियों के मूल स्रोत के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

निर्वाणरूपम शब्द इस श्लोक का पहला दार्शनिक संकेत है। सामान्यतः लोग मोक्ष को प्राप्त होने वाली अवस्था मानते हैं, पर तुलसीदास कहते हैं कि शिव केवल मोक्षदाता नहीं, स्वयं मोक्षस्वरूप हैं। जहाँ शिव का साक्षात्कार होता है, वहीं अहंकार, अज्ञान और बंधन का अंत हो जाता है। यही निर्वाण है।

इसके बाद विभुं व्यापकं शब्द बताते हैं कि भगवान शिव किसी एक पर्वत, किसी एक मंदिर या किसी विशेष स्थान तक सीमित नहीं हैं। वे कण-कण में व्याप्त हैं। जिस प्रकार वायु सबको स्पर्श करती है और आकाश सबको धारण करता है, उसी प्रकार शिव समस्त चराचर जगत में समान रूप से विद्यमान हैं। यही उपनिषदों का संदेश भी है कि परमात्मा सर्वव्यापक है।

ब्रह्मवेदस्वरूपम शब्द इस श्लोक का आध्यात्मिक शिखर है। वेद जिन परम सत्य की खोज करते हैं, जिनकी महिमा का निरंतर गान करते हैं, वही शिव हैं। यहाँ शिव किसी संप्रदाय विशेष के आराध्य नहीं, बल्कि वेदों द्वारा प्रतिपादित परब्रह्म हैं। यही कारण है कि सनातन परंपरा में शिव और ब्रह्म का भेद नहीं माना गया।

तुलसीदास इसके बाद भगवान शिव को निजम कहते हैं। अर्थात वे स्वयंप्रकाश हैं, किसी अन्य सत्ता पर आश्रित नहीं। संसार की प्रत्येक वस्तु किसी न किसी कारण पर निर्भर है, परंतु शिव स्वयं कारणों के भी कारण हैं। निर्गुणम शब्द का अर्थ यह नहीं कि उनमें गुणों का अभाव है, बल्कि वे प्रकृति के सत्त्व, रज और तम-इन तीनों गुणों से परे हैं। वे गुणों के स्वामी हैं, उनके अधीन नहीं। इसलिए शिव निरपेक्ष, निष्कलुष और सनातन हैं।

निर्विकल्पम अद्वैत वेदांत का अत्यंत महत्वपूर्ण शब्द है। जहाँ द्वैत नहीं, भेद नहीं, विकल्प नहीं, वही परम सत्य है। शिव उसी अखंड चेतना का नाम हैं जिसमें 'मैं' और 'तुम' का भेद समाप्त हो जाता है। यही आत्मबोध की सर्वोच्च अवस्था है।

निरीहम का अर्थ है-जिसमें कोई स्वार्थ, कोई इच्छा, कोई कामना नहीं। भगवान शिव सब कुछ देकर भी कुछ नहीं मांगते। वे दीन-दुखियों, देवों, असुरों, पशु-पक्षियों, नागों, भूत-प्रेतों सभी को समान दृष्टि से स्वीकार करते हैं। उनका यही निष्काम भाव उन्हें महादेव बनाता है।

श्लोक का अंतिम चरण चिदाकाशमाकाशवासम अत्यंत गूढ़ है। चिदाकाश अर्थात चेतना का अनंत आकाश। जैसे भौतिक आकाश सबको स्थान देता है, पर किसी से बंधता नहीं, उसी प्रकार शिव चेतना के उस अनंत विस्तार के प्रतीक हैं जिसमें सम्पूर्ण सृष्टि स्थित है, फिर भी वे उससे परे हैं।

यही कारण है कि तुलसीदास ने रुद्राष्टकम की शुरूआत शिव के श्रृंगार, वाहन, त्रिशूल, डमरू या कैलास से नहीं की। उन्होंने सीधे उस परम सत्ता का स्मरण कराया जो प्रत्येक जीव के भीतर विद्यमान है।

अवैध कॉलोनी विकसित करने पर सात के खिलाफ मामला दर्ज

शुजालपुर। नगर पालिका परिषद शुजालपुर की शिकायत और कलेक्टर शाजापुर के आदेश के बाद अवैध आवासीय कॉलोनी विकसित करने के मामले में सात लोगों के खिलाफ शुजालपुर नगर थाने में एफ आईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार प्रहलादसिंह, कृष्णपालसिंह, चंद्रसिंह, सतीष, सीमा, नीमा और रानी, निवासी तुलसी नगर शुजालपुर मंडी पर बिना भूमि डायवर्सन, कॉलोनाइजर पंजीयन, कॉलोनी विकास अनुमति तथा नगर एवं ग्राम निवेश से नक्शा स्वीकृत कराए बिना विभिन्न सर्वे नंबरों की भूमि पर कॉलोनी विकसित करने का आरोप है। नगर पालिका के प्रतिवेदन पर कलेक्टर ने एफ आईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

उत्कृष्ट सेवा पदक से 15 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

आगर मालवा। आगर मालवो पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अति उत्कृष्ट सेवा पदक एवं केंद्रीय गृहमंत्री उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित जिला आगर मालवा के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान समारोह पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सभी सम्मानित किया। एसपी सोनी ने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे जिला पुलिस बल के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। समारोह में निरीक्षक शाकम्बर सिंह रावत सहित सात अधिकारियों और कर्मचारियों को केंद्रीय गृहमंत्री अति-उत्कृष्ट सेवा पदक, जबकि उप निरीक्षक विक्रम सिंह चौहान सहित आठ अधिकारी-कर्मचारियों को केंद्रीय गृहमंत्री उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

आकांक्षा ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, 70 किग्रा वर्ग में जीत मिली

देवास। जिले की जूडो खिलाड़ी आकांक्षा श्रीवास्तव ने एशियन जूडो कैडेट चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 70 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए प्रतियोगिता में सातवां स्थान हासिल किया। आकांक्षा मध्य प्रदेश से इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक थीं।आकांक्षा ने इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने चंडीगढ़ में आयोजित नेशनल कैडेट जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ था।

बैंड-बाजे के साथ जटाशंकर मंदिर पहुंचीं कावड़ यात्राएं

शुजालपुर। नगर के प्राचीन जटाशंकर महादेव मंदिर में सावन महीने के दौरान रोज आसपास के गांवों से महिला-पुरुष कावड़ यात्रा लेकर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु मंदिर में जल अभिषेक कर रहे हैं। शनिवार को नजदीकी ग्राम भीलखेड़ी भूगोर से सैकड़ों महिला-पुरुष बैंड-बाजे के साथ पहुंचे। ओम नमः शिवाय के जयकारे लगे। सभी ने मंदिर में जल अभिषेक किया। यात्रा में आगे बैंड-बाजों पर धार्मिक गीतों की धुन बजती रही। इसमें महिलाएं सिर पर कलश लेकर चलीं। रास्ते में जगह-जगह अलग-अलग संगठनों ने पुष्प वर्षा की। पूरे सावन माह में इसी तरह आसपास के गांवों के लोग यहां जल अभिषेक करते हैं। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

मक्सी फोरलेन पुलिया निर्माण स्थल पर संकेतक गायब

कनासिया नाके के पास अंधेरे में बाइक सवार गिरने से घायल, निर्माण एजेंसी पर लापरवाही का आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

शाजापुर जिले के मक्सी में फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया है। कानासिया नाले के पास निर्माणाधीन पुलिया पर चेतावनी संकेतक और सुरक्षा लाइटें नहीं होने के कारण शनिवार रात एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी की लापरवाही को हादसे की वजह बताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, देवास जिले के नावदा निवासी अभिषेक शनिवार रात करीब 11 बजे पुलिया के पास से गुजर रहे थे। अंधेरा होने और निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण वह बाइक सहित गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय युवक रोहित पांचाल, राहुल लोधी और रोहित मालवीय ने तत्काल मदद कर डायल-112 की सहायता से उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

रहवासियों का कहना है कि रात के समय निर्माण स्थल का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। अचानक निर्माण क्षेत्र सामने आने से कई बाइक सवार संतुलन खो बैठते हैं और हादसे का शिकार हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि निर्माण एजेंसी ने सुरक्षा मानकों का पालन किया होता, तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता था।

चेतावनी बोर्ड और बैरिकेडिंग की मांग

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की परियोजना के बावजूद कई स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, फ्लैशिंग लाइट और मजबूत बैरिकेडिंग जैसी बुनियादी सुरक्षा व्यवस्थाएं नहीं हैं। उन्होंने प्रशासन से निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

'विकास जरूरी, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं'

मक्सी के नागरिकों का कहना है कि विकास कार्यों का स्वागत है, लेकिन आम लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से निर्माण स्थलों पर तत्काल सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

जेएनएस कॉलेज में मनाई मुंशी प्रेमचंद की जयंती

साहित्यिक योगदान को किया याद, विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों को अपनाने का दिया संदेश

शुजालपुर। जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर में हिंदी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को महान साहित्यकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के वराहमिहिर भवन स्थित वर्चुअल कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद कुमार अजनोदिया ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका साहित्य सामाजिक चेतना, यथार्थवाद, मानवीय संवेदनाओं और राष्ट्रीय भावना का सशक्त दस्तावेज है। उनकी रचनाएं आज भी समाज को सत्य, समानता, नैतिकता और मानवता का संदेश देती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद भारतीय साहित्य के ऐसे युगद्दष्टा लेखक थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की वास्तविक परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को उनके साहित्य का अध्ययन कर जीवन में मानवीय मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मुंशी प्रेमचंद की प्रमुख कृतियों एवं साहित्यिक योगदान की जानकारी दी गई।

लापता मजदूर का शव तालाब में मिला:तीन डॉक्टरों ने किया पीएम, घर से था लापता

बड़ौद। बड़ौद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम मदकोटा के तालाब में एक लापता मजदूर का शव मिला है। मृतक की पहचान राजस्थान के झालावाड़ जिले के निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान शिव सिंह (50) पुत्र सुलतान सिंह, निवासी ग्राम लोहारिया, थाना डग, जिला झालावाड़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। वह ग्राम पिपलिया हमीर में नागू सिंह पुत्र गंगाराम के यहां मजदूरी करता था। नागू सिंह ने 31 जुलाई को शिव सिंह की गुमशुदगी की रिपोर्ट बड़ौद थाने में दर्ज कराई थी। शुक्रवार (1 अगस्त) शाम को ग्रामीणों ने मदकोटा तालाब में एक शव देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। बड़ौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को शासकीय अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवाया गया। रविवार सुबह करीब 11 बजे तीन डॉक्टरों के पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बड़ौद थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

11 साल पहले आरोपी हमला कर फरियादी को टेंक में फेक कर फरार था

लूट व घर में घुसकर हमला करने वाले आरोपी को 5-5 साल के सश्रम कारावास की सजा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश अभिलाष जैन के न्यायालय ने वर्ष 2015 में घर में घुसकर हमला एवं लूट करने के मामले में आरोपी अंकुर उर्फ किशोर यादव को दोषी करार देते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 458 एवं 394 के तहत पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास तथा दोनों धाराओं में एक-एक हजार रुपएए कुल दो हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक एडीपीओं विद्याधर सोनानिया ने बताया कि 16 अक्टूबर 2015 की रात करीब 2 बजे श्रीनगर कॉलोनी निवासी प्रवीण रेकवार अपने किराए के मकान में सो रहे थे। इसी दौरान आरोपी घर में घुस आया और बबूल की लकड़ी से उन पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी उन्हें पानी के टैंक में फेंककर फ रार हो गया। सुबह सफ ई कर्मचारियों ने घायल को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मामले में शुजालपुर सिटी थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया।

विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक विद्याधर सोनानिया ने न्यायालय के समक्ष साक्ष्य एवं गवाह प्रस्तुत किए। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए उपरोक्त सजा सुनाई। न्यायालय ने आदेश में यह भी उल्लेख किया कि घटना के समय आरोपी की आयु, प्रकरण के लंबे समय तक विचाराधीन रहने तथा वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए दंड के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया गया, जबकि उसकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए अर्थदंड सीमित रखा गया।

देवास मंडी में चोरों का आतंक

हर रविवार 2-3 मोबाइल व पर्स चोरी, लाउडस्पीकर से किया जा रहा अलर्ट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास की फल एवं सब्जी मंडी में चोरी की लगातार बढ़ती घटनाओं ने व्यापारियों और खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है। हालात ऐसे हैं कि मंडी प्रशासन को अब लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को बार-बार सतर्क करना पड़ रहा है। मंडी में आने वालों से अपने मोबाइल, पर्स और दोपहिया वाहनों का विशेष ध्यान रखने की अपील की जा रही है, क्योंकि यहां चोर सक्रिय हैं।

मंडी में तैनात सुरक्षा गार्ड के मुताबिक, रविवार को सबसे अधिक भीड़ होने के कारण चोरी की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। औसतन हर रविवार 2 से 3 मोबाइल, 2 से 3 पर्स और 1 से 2 दोपहिया वाहन चोरी होने की शिकायतें सामने आती हैं। इसी वजह से पूरे दिन लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। मंडी प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वे अपने मोबाइल और पर्स सुरक्षित रखें, दोपहिया वाहनों को लॉक करके ही खड़ा करें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षाकर्मियों या पुलिस को दें।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बाद मंडी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। व्यापारियों और खरीदारों का कहना है कि रविवार को भारी भीड़ रहती है, इसलिए अतिरिक्त पुलिस बल और निगरानी की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि चोरों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और लोग सुरक्षित माहौल में खरीदारी कर सकें।

शाजापुर में जन औषधि केंद्र एक साल से बंद

मरीज बाजार से खरीद रहे महंगी दवाइयां, समिति से चर्चा कर करेंगे कार्रवाई- सीएमएचओ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का लाभ शाजापुर के मरीजों को पिछले करीब एक साल से नहीं मिल पा रहा है। जिला अस्पताल परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र लंबे समय से बंद पड़ा है। इसके चलते मरीजों को बाजार से महंगी दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

केंद्र पर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, थायराइड, अस्थमा, संक्रमण, दर्द, बुखार समेत महिलाओं और बच्चों से जुड़ी सैकड़ों आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाती थीं। इसके अलावा सर्जिकल सामग्री और सैनिटरी नैपकिन जैसे स्वास्थ्य उत्पाद भी रियायती दरों पर मिलते थे। स्थानीय निवासी मुकेश चौहान ने बताया कि जन औषधि केंद्र का उद्घाटन बड़े स्तर पर हुआ था, लेकिन कुछ महीनों के संचालन के बाद इसे बंद कर दिया गया।

50 से 90% तक सस्ती दवाएं मिलती थीं

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्देश्य आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं बाजार मूल्य से 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराना है। इस योजना से गरीब, मध्यम वर्ग, बुजुर्ग और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलती थी।

विकासखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन, 180 स्कूली खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

मैदान पर जीत की ललक, टीम भावना और युवाओं के जबर्दस्त खेल कौशल के साथ शुक्रवार को शालेय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय फुटबॉल स्पर्धा का शानदार समापन हुआ।

इस रोमांचक खेल आयोजन में शहर के विभिन्न शासकीय और निजी स्कूलों के लगभग 180 बालक-बालिकाओं ने पूरी ऊर्जा के साथ हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। स्कूली गेम्स के तहत 14, 17 और 19 आयु वर्ग बालक, बालिका की इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन जिला

शिक्षा अधिकारी दीपा कीर के मार्गदर्शन और विकासखंड शिक्षा अधिकारी राधावल्लभ कारपेंटर के निर्देशन में किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। जिला क्रीड़ा अधिकारी बी.एल. गोयल ने बताया कि इस खेल महाकुंभ में विकासखंड के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, एम.जी. कॉन्वेंट स्कूल, हिंद जूनियर कॉलेज, इटरनल स्कूल, विद्या कुंज और अन्य कई शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के खिलाड़ियों ने मैदान पर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

निर्णायकों की रही अहम भूमिका

किसी भी खेल को निष्पक्ष और सफल बनाने में रेफरी की भूमिका सबसे अहम होती है। इस विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक और विवादरहित संपन्न कराने में निर्णायकों की टीम ने उत्कृष्ट कार्य किया। इनमें विजय ठाकुर, विनय चौधरी, विशाल, हिमांशु पाटीदार, पवन उचाडिया, संदीप, राहुल और पवन ने मैच के दौरान अहम जिम्मेदारी निभाई। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की सराहना की गई।

13 लाख के स्टॉप डैम का काम शुरू नहीं

खातेगांव। खातेगांव जनपद की ग्राम पंचायत लवरास में 13 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत स्टॉप डैम का निर्माण दो साल बाद भी शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही 7 लाख रुपए से अधिक की राशि निकाली जा चुकी है। ग्रामीणों ने जनपद सीईओ को आवेदन देकर मामले की जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों की शिकायत के अनुसार, निर्माण कार्य के नाम पर अक्टूबर में वैध कंस्ट्रक्शन के माध्यम से करीब 5.55 लाख रुपए और रामदीन ट्रेडर्स के माध्यम से करीब 1.80 लाख रुपए की राशि निकाली जा चुकी है। कुल मिलाकर 7 लाख 35 हजार रुपए से अधिक की राशि निकाली गई।

मोहन बड़ोदिया की गोशाला पर लगा ताला

एक महीने से गोवंश सड़कों पर भटकने को मजबूर, हादसे का खतरा

मोहन बड़ोदिया। मध्य प्रदेश सरकार की मोहन बड़ोदिया की गोशाला पिछले एक महीने से बंद पड़ी है। पक्के बिजली कनेक्शन के बिना संचालन समिति ने इसे बंद कर दिया है, जिससे निराश्रित मवेशी एक बार फिर सड़कों और खेतों में भटकने को मजबूर हैं। जानकारी के मुताबिक, इस गौशाला को पिछले तीन सालों से कामचलाऊ इंतजामों के सहारे चलाया जा रहा था। बिजली कनेक्शन न होने से पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही थी और टैंकरों के जरिए पानी की व्यवस्था करनी पड़ती थी। लगातार आर्थिक तंगी और संसाधनों की कमी से परेशान होकर गोशाला समिति ने इसे बंद करने का फैसला ले लिया। समिति के अध्यक्ष ने मीडिया को बताया कि बिजली की सुविधा न होने के कारण ही संचालन रोकना पड़ा है। गोशाला बंद होने से इलाके में लावारिस घूमते मवेशियों की संख्या अचानक बढ़ गई है। शुक्रवार रात 8 बजे मोहन बड़ोदिया के मुख्य आगर-सारंगपुर रोड के साथ-साथ जनपद और तहसील कार्यालय के सामने सड़कों पर बड़ी संख्या में गाय-मवेशी बैठे दिखाई दिए। इससे रोड एक्सीडेंट और किसानों की फसलों के नुकसान का खतरा काफी बढ़ गया है। मोहन बड़ोदिया के गांव वालों ने सरकार और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द बिजली और पानी का पक्का इंतजाम करने की मांग की है।

ऑक्सीजन बाजार में नहीं, पेड़ों से मिलती है, सुफलाम सेवा न्यास ने पनवाड़ी के छात्रों को बांटे 250 पौधे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुफलाम सेवा न्यास इंदौर द्वारा शाजापुर के पनवाड़ी ग्राम में विशेष जागरूकता एवं पौधा वितरण अभियान चलाया गया। इसके तहत गांव के तीन निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को 250 पौधे वितरित कर उन्हें सहेजने का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने छात्रों को पेड़ों का वैज्ञानिक महत्व समझाते हुए स्पष्ट किया कि जीवनदायिनी ऑक्सीजन किसी बाजार या किराने की दुकान पर नहीं मिलती, बल्कि यह अमूल्य सौगात हमें केवल और केवल पेड़-पौधों से ही प्राप्त होती है।

कार्यक्रम में सुफलाम सेवा न्यास के जिला संयोजक मनोहर राय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शुद्ध वायु मनुष्य ही नहीं, बल्कि हर छोटे-बड़े जीवधारी के लिए अनिवार्य है। उन्होंने पेड़ों की क्षमता के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि एक पीपल का पेड़ प्रतिदिन 180 से 300 लीटर, बरगद 250 से 350 लीटर, नीम 120 से 220 लीटर और आम का पेड़ 100 से 200 लीटर तक ऑक्सीजन बनाकर वातावरण में छोड़ता है। चूंकि एक स्वस्थ मनुष्य को प्रति घंटे 15 से 18 लीटर ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, इसलिए यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम कम से कम अपनी जरूरत के बराबर पेड़ अवश्य लगाएं और उनका संरक्षण करें।

कीटनाशकों के ज्यादा प्रयोग पर जताई चिंता

इस दौरान प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के पर्यावरण प्रकोष्ठ के सदस्य सतीश चंद्र चौधरी ने खेतों में बढ़ रहे रसायनों के प्रयोग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज अधिक पैदावार के लालच में फसलों पर कीटनाशकों का अत्यधिक छिड़काव किया जा रहा है। इसका सीधा दुष्प्रभाव पशुओं और मनुष्यों के स्वास्थ्य के साथ-साथ पूरे पर्यावरण पर पड़ रहा है। उन्होंने अपील की कि खेतों में कीटनाशकों का उपयोग कम से कम किया जाए, ताकि पर्यावरण को संतुलित रखने वाले मित्र कीट और जीव-जंतु जीवित रह सकें।

दो दिन में शमशान घाट चोरी का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

महिदपुर। महिदपुर पुलिस ने शमशान घाट में हुई चोरी की वारदात का मात्र दो दिनों में खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 50 हजार रुपये मूल्य का चोरी गया सामान बरामद किया है। चोरी का सामान खरीदने वालों को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी अशोक पाटीदार के नेतृत्व में गठित टीम ने इस

कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार 30 जुलाई को फरियादी प्रमोद दावरे निवासी वाल्मीकि गली, महिदपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 जुलाई की रात सत्या श्मशान घाट स्थित कमरे का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश ब्लोअर मशीन, पंखा, माइक एम्पलीफायर, माइक, तांबे का लोटा, चिलम यूनिट, स्टील की बाल्टी व बर्तन, सीसीटीवी कैमरे का मेमोरी कार्ड सहित अन्य लोहे का सामान चोरी कर ले गए। रिपोर्ट पर थाना महिदपुर में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने शोहराब खान, असलम उर्फ वकार, रईश खान एवं अकरम शाह को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया करीब 50 हजार रुपये मूल्य का सामान बरामद कर जब्त किया गया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद उपजेल महिदपुर भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी शोहराब खान के विरुद्ध वर्ष 2010 से 2026 के बीच बलवा, मारपीट, रास्ता रोकना, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी जैसे तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जबकि अकरम शाह के विरुद्ध वर्ष 2018 में बलवा का एक मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय नगर परिषद पोलायकलां
जिला शाजापुर (म.प्र.)

अधिसूचना/सार्वजनिक सूचना

निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (C&D Waste)
प्रबंधन एवं धूल नियंत्रण संबंधी

नगर परिषद पोलायकलां क्षेत्र के समस्त नागरिकों, भवन निमार्ताओं, ठेकेदारों, विकासकर्ताओं एवं कार्यदायी संस्थाओं को सूचित एवं अपील की जाती है कि निर्माण एवं विध्वंस कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए Construction & Demolition Waste Management Rules, 2025 के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है।

निर्माण एवं विध्वंस कार्यों के दौरान उड़ने वाली धूल एवं मलबे से प्रदूषण, यातायात बाधित होने तथा आमजन को असुविधा होती है। इसे रोकने के लिए निम्न निर्देशों का पालन किया जाना आवश्यक होगा–

1. निर्माण स्थल को चारों ओर से टीन शीट, ग्रीन नेट अथवा अन्य उपयुक्त सामग्री से ढंककर सुरक्षित किया जाए।
2. निर्माण सामग्री जैसे रेत, सीमेंट, मिट्टी एवं मलबा खुले में न रखें तथा उसे ढंककर सुरक्षित रखा जाए।
3. निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट को सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर न फैलाया जाए।
4. धूल नियंत्रण के लिए आवश्यकता अनुसार नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाए।
5. निर्माण कार्य से उत्पन्न मलबे का पृथक संग्रहण कर अधिकृत स्थान पर ही निस्तारण किया जाए।
6. मलबे का परिवहन ढंककर किया जाए, ताकि सड़क पर धूल एवं कचरा न फैले।
7. निर्माण स्थल के आसपास स्वच्छता बनाए रखते हुए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

नगर परिषद पोलायकलां सभी नागरिकों एवं निर्माण एजेंसियों से सहयोग की अपेक्षा करती है, ताकि स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रदूषणमुक्त शहरी वातावरण का निर्माण किया जा सके। निदेशों का पालन नहीं करने पर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरुद्ध प्रचलित नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह अधिसूचना जनहित में तत्काल प्रभाव से जारी की जाती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद पोलायकलां, जिला शाजापुर (म.प्र.)

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि स्वामी श्री पवन पिता स्व. अम्बाराम, निवासी-ग्राम टंकारिया पंथ तहसील व जिला उज्जैन (म. प्र.) के मालिकी स्वामित्व में कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-116/3 (S) रकबा 0.1800 हेक्टर ग्राम सुरजनवासा, प. ह. नं.-90 तहसील उज्जैन जिला उज्जैन (म. प्र.) में स्थित है। उक्त कृषि भूमि सम्पूर्ण को क्रय करने सौदा मेरे पक्षकार ने उपरोक्त भूमि स्वामी से कर आंशिक राशि अदा कर दी है, शेष राशि का भुगतान कर, केवल विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना है। उपरोक्त कृषि भूमि पर अन्य किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, समूह, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था आदि से किसी भी प्रकार का कोई ऋण आदि लिया हो अथवा उक्त भूमि पर अन्य किसी का कोई स्वत्व, हित, आधिकार, सुखाधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बक्षीस, सौदा चिट्ठी, अनुबंध, कब्जा, पारिवारिक विवाद आदि हो अथवा इस विक्रय व्यवहार से किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 03 (तीन) दिन में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे कार्यालय में आकर प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके, अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त भूमि के विक्रय पत्र का ई पंजीयन उपरोक्त भूमि स्वामी से करा लेंगे व समय अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हों। इति दिनांक-02.08.2026

राजकुमार प्रजापत एडवोकेट
कार्यालय-A-1 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन (म.प्र.)
मोबा. 94259-46659

स्कूली छात्राओं ने बनाया समाचार पत्र

महिदपुर रोड। नगर के शासकीय कन्या हाई स्कूल में समाचार पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया छात्राओं ने रूचि पूर्वक अपने शिक्षक शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में समाचार पत्र तैयार किया छात्राओं ने समाचार पत्रों का नामकरण भी किया छात्राओं ने सुंदर समाचारों के समाचार पत्र तैयार किये समाचार पत्र निर्माण प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदन रानी लक्ष्मीबाई सदन, रानी दुर्गावती सदन ,रानी अहिल्याबाई सदन, रानी पद्मावती सदन, की छात्राओं ने भाग लिया समाचार पत्र निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्राओं को प्राचार्य अनिल सेठिया, गोपाल तंवर, स्नेहलता शर्मा,बापू लाल चंद्रवंशी,संकेश चौरड़िया आदि ने शील्ड देकर सम्मानित किया गया उक्त जानकारी विद्यालय की सीसीएलई प्रभारी पूनम रॉय ने दी।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश के आवेदन की अंतिम तिथि 7 अगस्त

सुसनेर। पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, आकली में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अगस्त 2026 कर दी गई है। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी। तिथि बढ़ने से अब पात्र विद्यार्थियों को आवेदन के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति के नियमों के अनुसार आगर मालवा जिले के वे विद्यार्थी आवेदन के पात्र हैं, जो वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययनरत हैं। अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच होना अनिवार्य है तथा समिति द्वारा निर्धारित अन्य पात्रता शर्तों का पालन करना आवश्यक होगा।

स्व. नवलखा की पुण्यतिथि पर गौसेवा कर दी श्रद्धांजलि

महिदपुर। स्व. दिलीप नवलखा की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर आदिनाथ ग्रुप द्वारा स्थानीय गौशाला में गौसेवा कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर गौमाताओं को हरा चारा, गुड़ एवं पौष्टिक पशु आहार वितरित किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने स्व.दिलीप नवलखा जी के समाजसेवा, मानवीय मूल्यों एवं सेवा भाव को स्मरण करते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया तथा उनकी पुण्य स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

रविदास जी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया

महिदपुर। समरसता संकल्प अभियान के तहत महिदपुर विधानसभा के नारायण धाम शक्ति केंद्र पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। तत्पश्चात स्वच्छता का संदेश देते हुए परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छ एवं समरस समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नरेंद्र चौहान जिला सहसंयोजक, एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता डॉ. मोहन शर्मा, दशरथ पवार, संजय अंजना (पूर्व किसान मोर्चा उपाध्यक्ष), मेहरबान गोयल (रानीपुरा), गोपीलाल बामणिया (नारायण धाम) बहादुर सिंह आंजना (चिरमिया) नगुलाल नायक, संजय जोगचंद तथा श्री भगवान सिंह गोयल (सरपंच) एवं श्रीमती दीपा बामणिया (नगर मंडल मंत्री) आसाराम आंजना रामेश्वर आंजना जगदीश शर्मा अशोक आंजना पन्नालाल नायक टीकम शर्मा संदीप आंजना आत्माराम जी सरपंच बालू सिंह आंजना जीवन सिंह अंजना भगत सिंह चौहान रामेश्वर चौधरी भगत सिंह चौहान राजू भाटी जीवन चौधरी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सावन माह में भक्तिमय हुआ सुसनेर, मंदिरों में उमड़ रहे श्रद्धालु

भोलेनाथ के आकर्षक श्रृंगार के साथ भजनों से भक्ति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

श्रावण मास के आगमन के साथ ही नगर पूरी तरह शिव भक्ति में रंग गया है। सुबह से लेकर देर शाम तक शिवालयों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के विशेष श्रृंगार, रुद्राभिषेक, पूजन-अर्चन, आरती और भजन-कीर्तन के आयोजन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। हर ओर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष सुनाई दे रहे हैं। सावन के पवित्र माह में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

शुक्रवार को शुक्रवारिया चौराहा स्थित श्री राम जानकी मंदिर में भगवान भोलेनाथ का आकर्षक चंग श्रृंगार किया गया। रंग-बिरंगे फूलों, बेलपत्र, धतूरा, भस्म और मनमोहक सजावट से सुसज्जित भगवान शिव के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। दिनभर श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम के समय मंदिर परिसर में महिला मंडल के तत्वावधान में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं ने भगवान शिव, श्रीराम और माता पार्वती की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। मंदिर समिति ने बताया कि पूरे सावन माह प्रतिदिन शाम को भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसमें नगर की महिलाएं एवं श्रद्धालु नियमित रूप से भाग लेकर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। सावन के प्रत्येक सोमवार सहित विशेष तिथियों पर भी विशेष पूजन, आरती एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इधर, तहसील परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर और मनकामेश्वर महादेव मंदिर में भी प्रतिदिन भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, आरती और भजन-कीर्तन का क्रम जारी है। सुबह से ही श्रद्धालु जल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित कर भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। मंदिरों में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की अच्छी-खासी उपस्थिति देखने को मिल रही है। सावन माह के चलते नगर के अन्य शिवालयों में भी धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला प्रारंभ हो चुकी है।

सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया

श्रद्धालु व्रत-उपवास रखकर भगवान शिव की आराधना में जुटे हैं। शाम के समय मंदिरों में दीपों की रोशनी, घंटों और शंखनाद के बीच होने वाली आरती से वातावरण और भी आध्यात्मिक हो जाता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन में भगवान शिव की आराधना से मन को शांति मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्रावण मास के दौरान नगर में प्रतिदिन हो रहे धार्मिक आयोजनों से सुसनेर का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया है। मंदिरों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ और लगातार गूंज रहे। भजन-कीर्तन इस बात का प्रमाण हैं कि सावन का यह पावन पर्व नगरवासियों के लिए आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष अवसर बन गया है।

मामा का अटूट प्यार और स्नेह सदा भांजे-भांजियों के लिए रहेगा- मंत्री चौहान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भौंरासा

भोपाल से देवास दिशा समिति बैठक में शामिल होने जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का भौंरासा फाटे पर क्षेत्रीय विधायक डॉ राजेश सोनकर के मार्गदर्शन में एवं मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल चावड़ा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव के साथ समस्त भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी पुष्प वर्षा एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया इस दौरान मंत्री चौहान ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं कहा कि आपके मिले इस अपार स्नेह का में सदा ऋणी रहूंगा एवं जनता ही मेरी भगवान है और में उनका सेवक हूँ ये सेवक सदा मेरी प्यारी जनता का है और रहेगा ओर मेरे प्यारे भांजा भांजियों के प्रति जो मामा का अटूट प्रेम है।

सोनकच्छ विधानसभा में हमारे विकासशील विधायक डॉ सोनकर हे जो क्षेत्र के विकास के लिए सतत लगे हुए हमेशा विकास कार्यों की चर्चा के लिए सम्बंधित मंत्रियों से मुलाकात करते है।

इस अवसर नगर परिषद अध्यक्ष संजय जोशी, उपाध्यक्ष जयसिंह राणा,मंडल महामंत्री कैलाश यादव,रामचरण धाकड़, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल डोडिया, आदि उपस्थित थे।

साप्ताहिक बाजार के दिन यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

मक्सी में साप्ताहिक हाट बाजार के दिन यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हाट बाजार की भीड़ और बारिश के दौरान चल रहे मक्सी में फोरलेन निर्माण कार्य के कारण शनिवार सुबह पुराने ए.बी.रोड पर लंबा जाम लग गया, जिससे स्कूली बच्चों सहित आम राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थिति ऐसी रही कि कई स्कूल बसें लगभग आधे घंटे से अधिक समय तक जाम में फंसी रहीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 9:15 बजे गणपत बड़े गेट के सामने से लेकर पशु बाजार क्षेत्र से भी आगे तक वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जाम के कारण स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों को बसों में लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। फेम गुरुकुल अकादमी, एकलव्य एजुकेशन अकादमी ,यूनिवर्सल अकादमी एवं ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न स्कूलों की बसें जाम में फंसी रहीं।

आमजन का कहना है कि हाट बाजार के दिन पहले से ही क्षेत्र में भारी भीड़ रहती है, वहीं दूसरी ओर बारिश के मौसम में चल रहे सड़क एवं नाला निर्माण कार्यों ने यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावित कर दिया है। लोगों का आरोप है कि जाम के दौरान मौके पर ट्रैफिक संचालन के लिए पर्याप्त यातायात व्यवस्था दिखाई नहीं दी, जिससे हालात और बिगड़ गए।

बीमा क्लेम नहीं मिलने पर किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सारंगपुर। ग्राम पंचायत बिग्नोदीपुरा के किसानों ने वर्ष 2024-25 की खरीफ फसल के बीमा क्लेम की राशि अब तक नहीं मिलने से नाराज होकर बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी रोहित बम्होरे को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने मांग की कि बीमा कंपनी द्वारा लंबित क्लेम की राशि शीघ्र उनके खातों में जमा कराई जाए।ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत बिग्नोदीपुरा सहित ग्राम खाखपुरा एवं जीवाजीपुरा में वर्ष 2024-25 के दौरान खरीफ फसल प्राकृतिक कारणों से नष्ट हो गई थी। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पडा। इसके बावजूद बीमा कंपनी द्वारा किसी भी किसान को फसल बीमा क्लेम की राशि नहीं दी गई और न ही इस संबंध में कोई कार्रवाई की गई। किसानों का कहना है कि फसल खराब होने के बाद भी राहत नहीं मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। खेती-किसानी का कार्य प्रभावित हो रहा है और आगामी फसल की तैयारी में भी कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है।

जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में

सेंटजोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के तीन विद्यार्थियों का संभाग स्तर पर चयन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में उज्जैन के महाराजवाड़ा क्रमांक-1 में आयोजित जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंडों की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महिदपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी खुशी शर्मा, भव्य कुमावत एवं केशव भाटिया ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय एवं महिदपुर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। इस उल्लेखनीय सफलता पर संस्था के मैनेजर फादर पॉल पारेकाटिल, प्राचार्य सोबी थॉमस, उप-प्राचार्य अनीस थॉमस, खेल शिक्षक कमलेश साहनी, तूफानसिंह सिसौदिया एवं स्टाफ ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की।

स्पोर्ट्स क्लब व खो-खो क्लब के खिलाड़ियों ने गुरु पर्व मनाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर खेल मैदान पर स्पोर्ट्स क्लब व खो खो क्लब सारंगपुर के खिलाडियों द्वारा कोच भारत भेरवे का गुरु पूर्णिमा पर शाल श्रीफल और साफा बांधकर सम्मान किया गया। खो खो संघ राजगढ़ सचिव भेरवे के द्वारा निरंतर खो खो मैदान पर अनेको खिलाड़ियों को साल भर तैयार किया जाता है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी सीनियर जूनियर खिलाड़ियों ने अपने गुरु का सम्मान किया आज भी जब कुछ बच्चे हमारे देश की सांस्कृति पर ध्यान नहीं दे गुरु क्या होता बच्चे भूलते जा रहे है। वही आज भी स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों ने पर्व बना कर ये बताया की खेल अनुशासन भी सिखाता है, गुरु व माता पिता का सम्मान करना सिखाता है। इस अवसर पर नमन गुप्ता, अभिषेक बड़गोतीया, राहुल गोड़, आरती सोनी, देव गिरजे, प्रियांशु भेरवे, निखिल भेरवे, कोमल गोयल, विनीत चोखोटिया, कृष्णा ठाकुर, अभिनव जादौन, गणेश कलजोरिया, राजवीर लोधा, शुभ तिवारी, नितेस चावड़ा व समस्त खिलाड़ि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

संस्था अविचल ने शुरू किया वृहद पौधारोपण अभियान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

पर्यावरण संरक्षण एवं नगर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से नवगठित सामाजिक संस्था अविचल द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर, बड़नगर में पांच दिवसीय वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के कुल 101 पौधे रोपित किए जाएंगे। प्रथम दिवस संस्था के सदस्यों, नगर के वरिष्ठ पत्रकारों, समाजसेवियों एवं युवाओं की सहभागिता से उत्साहपूर्ण वातावरण में पौधारोपण संपन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि स्वस्तिक हीरो शोरूम, बड़नगर के संचालक विनय शर्मा वर्षों से निरंतर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं। उनकी इसी प्रेरणादायी परंपरा को उनके पुत्र एवं संस्था अविचल के अध्यक्ष उज्ज्वल विनय शर्मा ने नई ऊर्जा, व्यापक स्वरूप और युवा सहभागिता के साथ आगे बढ़ाया है। उज्ज्वल शर्मा के नेतृत्व में प्रारंभ हुए इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करना भी है।

अभियान के प्रथम दिवस नगर के प्रमुख पत्रकारों में सत्यनारायण शर्मा, नरेंद्र राजावत, प्रेमचंद त्रिवेदी, विजय गोखरू, अजय जैन, रामनिवास नाव्हल एवं अरविंद व्यास सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। उज्ज्वल शर्मा के दादाजी सोहनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को पारिवारिक संस्कारों और पीढ़ी-दर-पीढ़ी पर्यावरण सेवा की भावना से जोड़ दिया। पौधारोपण कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रेरणादायी एवं जनसहभागिता से परिपूर्ण रहा। संस्था के सदस्यों ने रोपित पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया।

ये रहे मौजूद

संस्था अविचल के प्रमुख सदस्य मृदुलराज व्यास, मनन टोंग्या, छयांक यादव, आलोक सोनी, भव्य शर्मा, स्वयं मेहता, सौम्य भावसार, अनिकेत पण्ड्या, लक्ष्य शर्मा, हर्षवर्धन शर्मा एवं नितेश वाघेला सहित मित्रगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण मुहिम के तहत पौधारोपण

खाचरौद। साँसे हो रही कम, आओ पेड़ लगाए हम पर्यावरण संरक्षण मुहिम के अंतर्गत श्री धाकड़ महासभा युवा संघ जिला उज्जैन इकाई के अध्यक्ष एवं स्वच्छता समिति के सभापति श्री नारायण जी मंडावलिया के नेतृत्व में खाचरोद के रतलाम रोड स्थित खारी मीठी बावड़ी पर एक विशेष स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान चलाया गया, जिसके तहत श्रमदान कर उबड़-खाबड़ और गंदगी से फंसी हुई जगह को साफ और समतल करते हुए आम, कटहल, जामुन, पीपल, नीम व विभिन्न औषधीय प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाने के साथ-साथ पर्यावरण प्रेमियों को इनके बड़े होने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई; इस अवसर पर दयाराम धाकड़, बगदीराम मंडावलिया, रमेश नंदेडा, हरिराम काकर, शंकरलाल मंडावलिया, राधेश्याम मेहता, घनश्याम जी नायमा, मुकेश मंडावलिया, अशोक जी सगीतला, नारायण मेहता, धर्मेंद्र नंदेडा,महेश बंबोरिया,गोपाल बामता मदन बंबोरिया सहित बड़ी संख्या में धाकड़ समाजजन उपस्थित रहे।

नशे से दूरी , है जरूरी 2.0 अभियान अंतर्गत हेतु बच्चों को बताए नशे के दुष्परिणाम

बडौद। नशे से दूरी , है जरूरी 2.0 अभियान अंतर्गत बच्चों को अपने आसपास जागरूकता फैलाने हेतु शासकीय नवीन हाईस्कूल बापचा बड़ौद में दोनों के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम बताए गए । विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संस्था प्राचार्य डॉ दशरथ कुमार गवली द्वारा रचित दोहों का शिक्षक कैलाश भावसार द्वारा गायन कर संदेश सम्प्रेषित किया गया। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक विष्णु परिहार , सुनील कुमार जोशी, कालूराम दांगी, तृप्ति श्रृंगी दशरथ सिंह परिहार उपस्थित थे ।

झारखंड से चलकर डाक कावड़ यात्रा के रूप में फुलेश्वर महादेव का करेंगे जलाभिषेक

खरसौदकलां। श्रावण मास के पावन अवसर पर फूलेश्वर महादेव मंदिर से 50 युवाओं का डाक कांवड़ यात्रियों का जत्था बैजनाथ धाम (झारखंड) के लिए शनिवार को उत्साहपूर्वक रवाना हुआ। कांवड़ यात्रियों ने रवाना होने से पहले फूलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर यात्रा के सफल एवं मंगलमय होने की प्रार्थना की। सलवा निवासी कांवड़ यात्री बनवारीलाल यादव ने बताया कि दल लगभग 1100 किलोमीटर की कठिन डाक कांवड़ यात्रा लगातार दौड़ते हुए मात्र पांच दिनों में पूरी करेगा। बैजनाथ धाम एवं विश्वनाथ मंदिर से पवित्र गंगाजल भरने के बाद कांवड़िए गुरुवार को वापसी यात्रा प्रारंभ करेंगे और लगातार दौड़ते हुए सोमवार को खरसौदकलां पहुंचकर फूलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालु पूरी निष्ठा, अनुशासन और सेवा भाव के साथ यात्रा करेंगे। कांवड़ यात्रियों के भोजन एवं प्रसादी की निःशुल्क व्यवस्था सांवलिया तीर्थ, आमला द्वारा की गई है। यात्रा को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

शिक्षकों के सेवानिवृत होने पर सहयोगियों ने किया, विदाई एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित

महिदपुर रोड । शिक्षक समाज एवं राष्ट्र का निमार्ता होता हैं वह समाज का गढ़ने का काम करता है एक अच्छा शिक्षक शिल्पकार के समान होता हैं। यह बात नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों के सेवानिवृत होने पर आयोजित विदाई एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामेश्वर सोनी ने व्यक्त किये। कार्यक्रम में शासकीय कन्या हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक विमल सूर्यवंशी शासकीय प्राथमिक विद्यालय सरवन खेड़ा के प्राथमिक शिक्षक प्रेमचंद छाबड़ा को सेवानिवृत होने पर शाल श्रीफल साफा बांधकर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के शिक्षक शांतिलाल सूर्यवंशी, शिक्षक अनुपम त्रिवेदी शिक्षिका सुजाता राय का स्थानांतरण होने पर उनका भी सम्मान किया गया विशेष अतिथि शासकीय हाई स्कूल पेटलावद के प्राचार्य प्रदीप सिंह सौलंकी, वरिष्ठ शिक्षक अशोक पोरवाल, जन शिक्षक मोहनलाल चंद्रवंशी रहे अध्यक्षता संकुल प्राचार्य एस एन बामनिया ने की संचालन शासकीय कन्या हाईस्कूल के प्रभारी प्राचार्य अनिल सेठिया ने किया आभार बंशीलाल सौलंकी ने माना।

बैग लेस दिवस पर इको क्लब सदस्यों ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सुसनेर। शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय खेरिया में इको क्लब के सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं इको क्लब सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इको क्लब सदस्यों ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। विद्यालय परिसर में पौधारोपण के साथ विद्यार्थियों को पेड़-पौधों के महत्व, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को एक पौधा लगाएं, पर्यावरण बचाएं का संदेश दिया।

रामायण का ट्रेलर देखने के बाद बोले-

कृपया अपनी वाणी को अब और प्रदूषित न करें

टीवी सीरियल 'महाभारत' में भगवान श्रीकृष्ण का किरदार निभाने वाले एक्टर नीतीश भारद्वाज ने नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स, कलाकारों की परफॉर्मेंस और संगीत की तारीफ करते हुए रणबीर कपूर को सलाह दी।

नीतीश भारद्वाज ने इंस्टाग्राम पर 'रामायण' का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा बेस्ट फॉरेन फिल्म के लिए यह 100% ऑस्कर की हकदार है। बधाई हो नमित। नितेश तिवारी, सत्यजीत रे और शेखर कपूर के बाद भारतीय सिनेमा की दुनिया को भारत का अगला बड़ा तोहफा हैं। प्रोडक्शन डिजाइन और सिनेमैटोग्राफी के लिए यह फिल्म कई पुरस्कार जीत सकती है। वीएफएक्स और एआई की मदद से बनाया गया इसका पीरियड वर्ल्ड शानदार है। भारतीय सिनेमा के साथ कोलेबोरेट करने के लिए महान संगीतकार हैंस जिमर का भी धन्यवाद।

रणबीर कपूर को सलाह देते हुए उन्होंने लिखा रणबीर अब रणवीर के साथ अगली पीढ़ी के दो बेजोड़ धुरंधरों की बराबरी पर हैं। यश, ग्लोबल सिनेमा में आपका स्वागत है। आरके, मैं आपको हमेशा एक एक्टर के रूप में पसंद करता रहा हूं, लेकिन अब आपकी सामाजिक जिम्मेदारी शुरू होती है कि आप भारत की विरासत, संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाएं। इसलिए अब 'एनिमल' जैसी फिल्में नहीं, चाहे उसके लिए कितना भी बड़ा ऑफर क्यों न मिले। कृपया अपनी वाणी को अब और प्रदूषित न करें। भारत के पास आपकी अभिनय क्षमता को दिखाने के लिए कहानियों की कोई कमी नहीं है। पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा मुझे सिर्फ यही उम्मीद है कि भारतीय दर्शक साई पल्लवी को सीता के रूप में स्वीकार करेंगे। साथ ही, मैं चाहता हूं कि फिल्म में कहीं न कहीं मृदंगम और मंजीरे की धुनों के बीच गोस्वामी तुलसीदास जी की चौपाइयां भी सुनाई दें। यही इस महाकाव्य की वह ध्वनि है, जो हर भारतीय की आत्मा में बसती है। मैं नितेश तिवारी की इस भव्य फिल्म को बनाने की मेहनत के सम्मान में 'रामायण' कम से कम 5 बार देखना चाहूंगा।

शूटिंग के दौरान चोटिल हुई रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना अपनी एक अपकमिंग फिल्म के डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यह चोट उन्हें डांस और एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान लगी। हालांकि, रश्मिका या उनकी टीम की तरफ से इसको लेकर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है। चोट की वजह से रश्मिका का शूटिंग शेड्यूल रोक दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका मंदाना अपनी एक अपकमिंग फिल्म के डांस सीक्वेंस की शूटिंग कर रही थीं। इसी दौरान उनकी हिप से जुड़ा एक टेंडन पूरी तरह अलग हो गया। डॉक्टरों के अनुसार, इस तरह की चोट आमतौर पर प्रोफेशनल एथलीट्स में देखी जाती है। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छह हफ्ते तक पूरी तरह आराम करने और फिर बताए गए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम को शुरू करने की सलाह दी गई है।

इस चोट की वजह से रश्मिका के आने वाले शूटिंग शेड्यूल और दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स पर असर पड़ सकता है। वह अभी राणाबली और माइसा जैसी कई बड़े बजट की फिल्मों पर काम कर रही हैं और कई एंडोर्समेंट कैंपेन भी मैनेज कर रही हैं।

ऑस्कर विनर्स एआर रहमान और हैंस जिमर दे रहे म्यूजिक

फिल्म के संगीत को लेकर भी काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इस फिल्म में दो दिग्गज म्यूजिशियन एआर रहमान और ऑस्कर विजेता हैंस जिमर पहली बार एक साथ मिलकर बैकग्राउंड स्कोर और संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और एक्टर यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के तहत किया जा रहा है। इस ग्रैंड प्रोजेक्ट को दो भागों में बनाया जा रहा है, जिसका पहला पार्ट नवंबर 2026 में दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

'दंगल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बना चुके डायरेक्टर नितेश तिवारी पिछले कई सालों से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो भागों में बनने वाली इस फिल्म का कुल बजट 4000 करोड़ रुपए के करीब है, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बनाता है। फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स की जिम्मेदारी ऑस्कर विनिंग कंपनी उ्ठएत्र्संभाल रही है।

सलमान ने संजय दत्त के लिए इमोशनल नोट लिखा

सलमान खान ने शुक्रवार देर रात अपने सबसे करीबी दोस्त संजय दत्त के साथ 2 तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिनमें दोनों गले मिल रहे हैं।

तस्वीरों के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा, ह्यबाबा फॉरएवर... बाबा और बाबा, बाबा होता है। संजू बाबा है हम सबका बाबा और अब अपने बच्चों का भी बाबा। मेरा बड़ा भाई संजय दत्त। अल्लाह, भगवान और जीसस सब इस आदमी को हमेशा खुश रखें। आई लव यू बाबा।ह्व फैंस को सलमान और संजय के बीच यह बॉन्ड बहुत पसंद आ रहा है। कई लोगों ने इस पर रिएक्ट किया। संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने पोस्ट पर कमेंट किया, ह्यब्रदर्स फॉर लाइफ।' वहीं, संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त ने हार्ट इमोजी कमेंट किए। संजय दत्त और सलमान खान की दोस्ती बॉलीवुड में मिसाल मानी जाती है। हालांकि, एक बार ऐसा भी हुआ था जब संजय दत्त, सलमान से नाराज हो गए थे। इस किस्से का खुलासा खुद सलमान ने रजत शर्मा के शो में किया था। सलमान ने बताया था कि सोहेल खान की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' में संजय दत्त ने दोस्ती की खातिर गेस्ट अपीयरेंस किया था। शूटिंग पूरी होने के बाद संजय दत्त सलमान के घर पहुंचे, जहां पार्टी चल रही थी। उसी दौरान सलमान के पास नई बीएमडब्ल्यू एम5 आई थी। वह संजय दत्त को बाहर ले गए और बोले, ह्यबाबा, यह देश की पहली बीएमडब्ल्यू एम5 है और मैं चाहता हूं कि यह आपके पास हो।

Sport

कॉमनवेल्थ: जेवलिन में नीरज को सिल्वर और यशवीर को ब्रॉन्ज

जूडो में 15 मिनट में अस्मिता-हर्ष गोल्ड जीते

एजेंसी ▸▸ ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में शुक्रवार को भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अस्मिता डे ने गेम्स के इतिहास में जूडो में देश को पहला गोल्ड दिलाया। इसके 15 मिनट बाद हर्ष सिंह ने दूसरा गोल्ड जीता। यामिनी मौर्य ने सिल्वर मेडल हासिल किया। जूडो में 3 मेडल आए।

देश के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 85.83 मीटर थ्रो किया। भारत के ही यशवीर सिंह ने 85.41 मीटर का पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। श्रीलंका के रुमेश पथिराजे ने 89.75 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया। एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन इवेंट में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रचा। वह कॉमनवेल्थ में इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। ग्लासगो में चल रहे गेम्स के आठवें दिन भारत ने कुल 6 मेडल जीते। इनमें 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल रहे।

भारत ने गेम्स में अब तक 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज समेत 23 मेडल जीते हैं और मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर का थ्रो कर सिल्वर मेडल जीता। मुकाबले का सबसे बड़ा सरप्राइज यशवीर सिंह रहे। उन्होंने आखिरी में 85.41 मीटर थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम टॉप-8 में भी जगह नहीं बना सके और तीन राउंड के बाद बाहर हो गए।

डेकाथलॉन में मेडल लाने वाले तेजस्विन पहले भारतीय

तेजस्विन शंकर 7976 अंकों के साथ डेकाथलॉन में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। दो दिन तक चले इस इवेंट में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले तेजस्विन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में हाई जंप का ब्रॉन्ज भी जीत चुके हैं। ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर (8096 अंक) ने गोल्ड और डेमियन वार्नर (8036 अंक) ने सिल्वर जीता।

डेकाथलॉन में 10 अलग-अलग इवेंट्स होते हैं। हर इवेंट्स से मिले अंकों के आधार पर टोटल रैंकिंग बनती है। इस रैंकिंग के टॉप-3 प्लेयर्स को मेडल दिए जाते हैं। डेकाथलॉन में 100 मीटर दौड़, लॉन्ग जम्प, शॉटपुट, हाई जम्प, 400 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल, डिस्कस थ्रो, पोल वॉल्ट, जेवलिन थ्रो, 1500 मीटर दौड़ होते हैं।

ऋषभ पंत ने एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग की, साथ दिखे दोनों खिलाड़ी

एजेंसी ▸▸ रांची

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी में जुट गए हैं। इस तैयारी के दौरान पंत ने रांची में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। रांची के एक जिम से पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें पंत और धोनी साथ ट्रेनिंग करते नजर आ रहे हैं। इस फोटो में धोनी नीले रंग के ट्रैकसूट में दिख रहे हैं, जबकि पंत ने काली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं। तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए शाहबाज नदीम ने लिखा, भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बेहतरीन फिनिशर ऋषभ पंत और माही भाई। हालांकि पंत अभी भारत की व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह शुभमन गिल की कप्तानी वाली टेस्ट टीम के अहम सदस्य बने हुए हैं। पंत आखिरी बार जून 2026 में मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौता टेस्ट खेलते नजर आए थे। इसके बाद वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे। अब श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से उनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी होगी।

तन्वी शर्मा ताइपे ओपन के फाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर 300 टूनामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 17 साल की तन्वी ने चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को सीधे गेम में मात दी। पंजाब की रहने वाली तन्वी ने यह मुकाबला 21-17, 21-11 से अपने नाम किया। यह एकतरफा सेमीफाइनल मैच महज 33 मिनट तक चला। तन्वी पिछले साल यूएस ओपन में रनर-अप रही थीं। जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा रविवार को होने वाले फाइनल में खिताबी जीत के लिए उतरेंगी। फाइनल में उनका मुकाबला उन्नति हुड्डा या वियतनाम की गुयेन थुय में से किसी एक से होगा।

नैनो न्यूज

- **फीफा ने वर्ल्ड कप निवेश योजना पर कदम पीछे खींचे-** जियानी इन्फैन्टिनो ने वर्ल्ड कप के व्यावसायिक अधिकारों में निजी निवेश की विवादित योजना फिलहाल वापस ले ली है। वएत्र्ञ सहित कई फुटबॉल संगठनों के विरोध के बाद यह फैसला लिया गया।
- **चेल्सी बनाम टॉटनहैम प्री-सीजन मुकाबला आज-** इंग्लैंड के दो बड़े क्लब चेल्सी और टॉटनहैम आज प्री-सीजन फ्रेंडली मैच में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें नए सीजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।
- **आर्सेनल का पहला प्री-सीजन टेस्ट-** आर्सेनल आज स्पेनिश क्लब ग्रिओना के खिलाफ प्री-सीजन मुकाबला खेलेगा। टीम नए खिलाड़ियों को आजमाने और फिटनेस पर ध्यान दे रही है।
- **न्यूजीलैंड नेटबॉल टीम फाइनल में -** कॉमनवेल्थ गेम्स के नेटबॉल सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बना ली।
- **भारत को ट्रिपल जंप में दो पदक-** भारतीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने रजत और सेल्वा प्रभु तिरुमारन ने कांस्य पदक जीतकर एथलेटिक्स में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

दो दिन पहले कहा था- मैदान और जर्सी के नीले रंग से खिलाड़ियों को परेशानी

हॉकी इंडिया अध्यक्ष बोले-बिना बताए कलर बदला

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीला से नारंगी किए जाने पर विवाद गहरा गया है। अब हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने जर्सी का रंग बदलने पर फेडरेशन के अधिकारियों से लिखित जवाब मांगा है।

टिर्की का आरोप है कि यह फैसला उन्हें और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बिना मंजूरी के बिना लिया गया। ओडिशा सरकार ने भी टिर्की से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में हॉकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लॉन्च की। इसके बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने इस बदलाव पर सवाल उठाए।

हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को भारतीय टीम की नारंगी रंग की नई जर्सी लॉन्च की। जर्सी का नीला रंग बदले जाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हॉकी से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया था। इस पर हॉकी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि इस पर खिलाड़ियों और फेडरेशन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह ली गई थी। हालांकि विवाद तब और बढ़ गया, जब यह दावा सामने आया कि इस फैसले में खिलाड़ियों और अधिकारियों से सलाह नहीं ली गई। जर्सी लॉन्च होने के बाद गुरुवार को टिर्की ने बदलाव का बचाव किया था। उन्होंने लोगों से इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देने की अपील की थी। टिर्की के मुताबिक, जर्सी का रंग बदलने का फैसला पूरी तरह 'टेक्निकल' है। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी अब नीले सिंथेटिक टर्फ पर खेली जाती है। ऐसे में मैदान और जर्सी दोनों के नीले होने से तेज खेल के दौरान खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों और गेंद को पहचानने में परेशानी हो सकती है।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की
(अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोट: इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी
मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent
Middle School, Bhairavgar

देश विदेश

झाबुआ में ग्रामीणों ने लगाए 300 से अधिक पौधे

झाबुआ। थांदला तहसील की ग्राम पंचायत रूपगढ़ में ग्रामीणों ने सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पारंपरिक 'हलमा' पद्धति से श्रमदान कर 300 से अधिक पौधे रोपे। बाबी माता सावन माता थानक परिसर में आयोजित इस अभियान में गांव के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्राम विकास के क्षेत्र में कार्यरत शिवगंगा समग्र ग्राम विकास परिषद ने पौधारोपण के लिए पौधे उपलब्ध कराए। ग्रामीणों ने पहले सामूहिक श्रमदान कर गड्ढे तैयार किए और इसके बाद विभिन्न प्रजातियों के 300 से अधिक पौधे रोपे। सभी ने पौधों की देखरेख का भी संकल्प लिया। पौधारोपण के दौरान ग्रामीणों ने अपनी पारंपरिक भीली भाषा में गीत गाकर खुशियां मनाईं।

धार में झमाझम बारिश से खरीफ की फसलों को मिला फायदा

धार। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद धार जिले में रविवार सुबह से मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया। धार शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश होती रही। कभी हल्की फुहार तो कभी तेज बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। आसमान में घने बादल छाए रहने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। धार शहर के प्रमुख मार्गों, कॉलोनियों और निचले इलाकों में पानी भर गया। वहीं अच्छी बारिश से खेतों में भी पर्याप्त पानी पहुंचा है। इससे किसानों को राहत मिली है। सोयाबीन, मक्का और अन्य खरीफ फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है।

इलाज के दौरान घायल की मौत शव लेकर चौकी पहुंचे परिजन

धार। धार जिले के दसई चौकी क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। रविवार सुबह जैसे ही 40 वर्षीय मुकुंद की मौत की सूचना परिजनों को मिली, वे शव लेकर सीधे दसई पुलिस चौकी पहुंच गए। यहां उन्होंने कथित आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मृतक की पहचान मुकुंद पिता बाबूलाल (40) निवासी ग्राम बामनखेड़ी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, 9 जुलाई की रात मुकुंद गंगाजलिया पुलिया के पास गंभीर घायल अवस्था में मिले थे।

महिला को पीटा, मोगरी से दोस्त की हत्या की

झाबुआ। जिले के पेटलावद की अटल बस्ती में शनिवार देर रात एक महिला से मारपीट और उसके साथी की हत्या का मामला सामने आया है। राजगढ़ क्षेत्र से आए कुछ लोगों ने घर में घुसकर महिला को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव करने पर महिला के दोस्त की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घायल महिला भूली बाई (पति भारत परमार) ने पुलिस को बताया कि शनिवार देर रात 2 बजे के करीब पांच लोगों ने उसके घर में जबरन घुसने का प्रयास किया। मुख्य दरवाजा न खुलने पर आरोपी पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए और हमला कर दिया। आरोपियों ने घर में रखी लकड़ी और मोगरी से भूली बाई और बीच-बचाव कर रहे हरिराम पर हमला किया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। भूली बाई के अनुसार, वह मुख्य आरोपी राजगढ़ बीजेपी नेता देवा पिता थावरिया सिंगाड़ के साथ करीब 14 साल से प्रेम संबंध में थी। हालांकि, पिछले लगभग एक साल से महिला ने देवा से दूरी बना ली थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई महीनों से विवाद चल रहा था, जिसने शनिवार रात हिंसक रूप ले लिया। मृतक हरिराम और भूली बाई 31 जुलाई को उज्जैन दर्शन के लिए गए थे और 1 अगस्त की शाम को ही वापस लौटे थे। महिला का देवा से दूरी बनाना और हरिराम का उसका सहयोगी बनना आरोपी को पसंद नहीं आया। मृतक हरिराम के पुत्र ने बताया कि शनिवार रात आरोपी उनके धुलेट स्थित घर पर आए और गाली-गलौज कर चले गए। इसके बाद रविवार सुबह करीब 5 बजे पेटलावद अस्पताल से फोन आया कि उनके पिता की हालत गंभीर है। परिजन तुरंत पेटलावद पहुंचे। आरोपियों ने सुबह होते ही दोबारा हरिराम के घर पहुंचकर परिजनों को धमकाया भी।

नैनो न्यूज

- अमेरिका द्वारा आयात शुल्क में राहत मिलने के बाद पीथमपुर की एफआईबीसी (जंबो बैग) बनाने वाली कंपनियों को फिर से बड़े निर्यात ऑर्डर मिलने लगे हैं।
- सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना लगभग 14,284 प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 13,084 प्रति ग्राम के आसपास पहुंच गया है।
- इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश से थोक मंडियों और खुदरा बाजारों में ग्राहकों की संख्या घटी है।
- इंदौर नगर निगम ने होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।
- सुपर कॉरिडोर, पीथमपुर और आईटी कॉरिडोर के आसपास व्यावसायिक और आवासीय परियोजनाओं में निवेश बढ़ रहा है।

राजस्थान के जैसलमेर में हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मेजर का पार्थिव शरीर इंदौर स्थित राजेंद्र नगर निवास पर पहुंचा

सैन्य सम्मान के साथ मेजर हमजा को किया सुपुर्द-ए-खाक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राजस्थान के जैसलमेर में हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मेजर हमजा आरिफ का पार्थिव शरीर रविवार की सुबह इंदौर स्थित राजेंद्र नगर निवास पर पहुंचा। सुबह से ही उनके निवास पर लोगों का तांता लगा हुआ था। सबसे पहले पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया।

इसके बाद सेना के वाहन में उनकी पार्थिव देह को रखा गया। तिरंगे में लिपटे ताबूत के साथ जनाजा सैनी नगर मस्जिद से आगे बढ़ा। पीछे चल रहे लोगों ने 'शहीद हमजा अमर रहें', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष लगाए। जनाजा माणिकबाग पुल, कलेक्टर चौराहा और राजवाड़ा होते हुए इमली बाजार कब्रिस्तान पहुंचा। नमाज अदा करने के बाद जनाजे को कब्र में उतारने की रस्म हुई और मृत आत्मा की शांति के लिए सभी ने दुआ मांगी।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी अंतिम विदाई- मेजर हमजा की पार्थिव देह तिरंगे में लिपटी हुई थी। दफनाने से पहले सैन्य सम्मान के साथ सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया और अंतिम सलामी दी। पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित किया गया। इस विदाई को देखकर कब्रिस्तान में मौजूद कई लोगों की आंखें नम हो गईं।

पत्नी को सौंपा तिरंगा

शव दफनाने से पहले पार्थिव देह से तिरंगे को हटाकर सम्मान के साथ मेजर हमजा की पत्नी को सौंपा गया। पत्नी की आंखों से आंसू नहीं थम रहे थे। मेजर हमजा के परिजनों की आंखें भी नम थीं।

सेना के वाहन से पहुंची पार्थिव देह

मेजर हमजा के परिजन सेना के विशेष वाहन में पार्थिव देह को सड़क मार्ग से लेकर शनिवार सुबह जैसलमेर से निकले थे। देर रात शव इंदौर पहुंचा। सबसे पहले वाहन महू छावनी पहुंचा। वहां मेजर हमजा को श्रद्धांजलि देने के बाद पार्थिव देह को उनके निवास पर लाया गया।

ऊंट से टकराकर पलटा था वाहन

गुरुवार देर रात ड्यूटी पूरी कर लौटते समय सेना की टाटा सफारी अचानक सड़क पर आए ऊंट से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पांच बार पलट गया। हादसे में मेजर हमजा की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लेफ्टिनेंट आयुष्मान और लेफ्टिनेंट अभिनव राठौड़ का इलाज चल रहा है।

शहर की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर में अभी 12 फीट पानी

जुलाई बीता, फिर भी इंदौर के तालाब खाली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में इस बार जुलाई माह में बारिश तो ठीक-ठाक हुई, लेकिन शहर के तालाबों का जलस्तर ज्यादा नहीं बढ़ पाया है। उन्हें लबालब होने में अगस्त माह पूरा लग सकता है। अभी तक कुछ तालाब आधे तो कुछ आधे से कम भरे हैं। शहर की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर तालाब में अभी 12 फीट पानी है, जबकि पिछले साल जुलाई में ही तालाब लबालब होने की स्थिति में था और गेट खोलकर भी तालाब से पानी बहाया गया था। इस तालाब की क्षमता 19 फीट है। अभी भी तालाब सात फीट खाली है।

यशवंत सागर के अलावा दूसरे तालाबों का पानी पेयजल के लिए तो नहीं लिया जाता है, लेकिन ये तालाब आसपास के क्षेत्रों के भूजल स्तर को बढ़ाते हैं। यशवंत सागर के बाद दूसरा बड़ा तालाब बिलावली है, लेकिन उसे भरने में ही ज्यादा वक्त लगता है, क्योंकि बायपास बनने

के बाद तालाब की चैनलें अवरुद्ध हो गईं और तालाब में पानी काफी धीरे आता है। लिंबोदी तालाब भी इसी कारण खाली रहता है, हालांकि इस तालाब की चैनलों की सफाई के लिए नगर निगम ने विशेष तौर पर अभियान चलाया था।

छह टंकियों से होती है सप्लाई

- शहर में यशवंत सागर तालाब से पश्चिमी क्षेत्र की छह टंकियों में हर दिन 30 एमएलडी पानी लिया जाता है। यह तालाब बारिश के सीजन में लबालब हो जाता है, तो सालभर पानी की चिंता कम रहती है, लेकिन इस बार यह तालाब भी धीरे-धीरे भर रहा है।
- महू क्षेत्र से इस तालाब का कैचमेंट एरिया जुड़ा है। यदि महू में भी ज्यादा बारिश होती है, तो तालाब का जलस्तर बढ़ जाता है। अभी इंदौर जिले में 16 इंच बारिश हुई है, जो औसत से कम है। अब शहरवासियों को अगस्त में झमाझम बारिश की उम्मीद है।

पिता के खिलाफ बेटी ने दर्ज कराई एफआईआर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के एमजी रोड थाना क्षेत्र में एक महिला की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि पति के किसी अन्य महिला से संबंध थे और वह पत्नी पर मायके से रुपए लाने का दबाव बनाते हुए लगातार मारपीट और मानसिक प्रताड़ना करता था। इसी प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान पति ने बेटी को मां से मिलने तक नहीं दिया।

पुलिस के अनुसार सुदामा नगर निवासी तनु पाठक ने शिकायत में बताया कि उसकी मां अमिता पुरोहित ने 18 जुलाई को जहरीला पदार्थ खा लिया था। उन्हें इलाज के लिए सुयश अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अगले दिन उनकी मौत हो गई। तनु ने बताया कि घटना की जानकारी उसे चचेरे भाई के फोन से मिली। जब वह अस्पताल पहुंची तो उसके पिता ललित पुरोहित ने उसे मां से मिलने नहीं दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ललित पुरोहित, निवासी सबनीशबाग, के किसी अन्य महिला से संबंध थे। इसी वजह से वह अमिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था तथा मायके से रुपए लाने के लिए दबाव बनाता था। तनु ने पुलिस को बताया कि रुपए की मांग पूरी करने के लिए उसके नाना कैलाश चंद्र टपरावत ने 19 फरवरी 2018 को भारतीय स्टेट बैंक के चेक के माध्यम से दो लाख रुपए ललित पुरोहित के खाते में ट्रांसफर किए थे। इसके बावजूद वह लगातार पैसों की मांग करता रहा और रुपए नहीं मिलने पर अमिता के साथ मारपीट करता था।

खजराना थाना क्षेत्र में धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

शादी का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद बिलाल के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत में बताया कि मोहम्मद बिलाल ने शादी का वादा कर उसका विश्वास जीता और इसी बहाने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब उसने शादी की बात की तो आरोपी ने कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बनने की शर्त रख दी।

एमपीईबी अधिकारी बनकर फोन किया, फोनपे पर कोड डलवाकर खाते से उड़ाए रुपए

इंदौर से रिटायर्ड अफसर से 98 हजार रुपए की ठगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कनाड़िया थाना क्षेत्र में बिजली बिल अपडेट कराने के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को एमपीईबी का अधिकारी बताकर एक रिटायर्ड गैस प्लांट अधिकारी से फोन पर संपर्क किया और फोनपे पर कोड डलवाकर उनके बैंक खाते से 98,560 रु. निकाल लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, देवकरण मालवीय कैलिफोर्निया सिटी, भोपाल के रहने वाले हैं और गैस प्लांट से रिटायर हो चुके हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि 30 जुलाई 2026 को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को एमपीईबी का अधिकारी बताते हुए कहा कि बिजली बिल रामकन्या मालवीय के नाम से है, जिसे ऑनलाइन अपडेट करना होगा, नहीं तो बिल आना बंद हो जाएगा।

आरएसएस शाखा का छात्र ने शेयर किया वीडियो, नाराज संघ के सदस्यों ने दर्ज कराई एफआईआर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

हीरानगर में संघ की शाखा का वीडियो बनाकर एक युवक ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर शेयर दिया। इसमें छात्र संघ के लोगों को धमकाते हुए दिख रहा था। इस मामले में छात्र के खिलाफ पुलिस के वरिष्ठ अफसरों को जानकारी देकर शनिवार देर रात 2 बजे एफआईआर दर्ज कराई गई।

हीरानगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, संघ के सदस्य मोहनलाल मालवीय की शिकायत पर वीणा नगर में रहने वाले छात्र क्षितिज वाने के खिलाफ वीडियो वायरल कर बदनाम करने और धमकाने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि मोहनलाल मालवीय संघ के अन्य सदस्य दीपक शर्मा, लोकेंद्र कोष्ठी, लालजी प्रतापत, नितिन विश्वकर्मा और अन्य साथियों के साथ हर दिन नॉर्थ एवेन्यू के खाली मैदान पर आरएसएस की शाखा संचालित करते हैं। यहां सामने ही क्षितिज वाने रहता है। करीब 6 महीने पहले भी वह आया और वीडियो बनाते हुए कहने लगा कि तुम लोग यहां शाखा क्यों लगाते हो? इस दौरान उसे समझाया तो वह वीडियो बनाकर चला गया। इसके बाद क्षितिज वाने ने 6 महीने बाद फिर से वीडियो बनाकर धमकाया। वहीं, फोटो भी वायरल किए। मोहनलाल मालवीय ने बताया कि छात्र ने आरएसएस देशद्रोही नाम से पोस्ट बनाकर दो दिन पहले इंस्टाग्राम पर वायरल कर दी। उसने यह सब माहौल खराब करने के लिए किया। हालांकि, संघ के लोगों से चर्चा के बाद पुलिस के वरिष्ठ अफसरों को मोहनलाल ने जानकारी दी। देर रात संघ के लोगों ने थाने जाकर वीडियो पुलिस को सौंपकर क्षितिज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी।

ढाबे पर खाना खाने जा रही युवती की सड़क दुर्घटना में मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के बायपास पर स्थित ब्रिज के नीचे शनिवार रात एक हादसे में युवती की मौत हो गई। घटना रात 11 बजे की है। उसके दोस्त उसे खून से लथपथ हालत में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। रात 3 बजे युवती की मौत होने के बाद वे रात में ही शव छोड़कर चले गए।

पुलिस ने बताया कि 29 वर्षीय साहिबा पिता मोहम्मद अफसर महालक्ष्मी नगर निवासी को रात में दोस्त अंकुर और सहज एमवाय अस्पताल ले गए थे। सहज का कहना है कि साहिबा उसके दोस्त अंकुर की परिचित थी। हादसे की सूचना पर वह साथ आया है। साहिबा एक्टिवा गाड़ी से थी, पहले उसे गौरव अस्पताल पहुंचाया। यहां से दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद एमवाय लेकर आए। दूसरी ओर, हादसे की सूचना मिलने के बाद भी भोपाल से उसके परिजन सुबह तक इंदौर नहीं पहुंचे थे। भाई ने रात में ही इंदौर आने से मना कर दिया था। भोपाल की रहने वाली थी साहिबा वहीं, अंकुर ने बताया कि साहिबा मूल रूप से भोपाल की रहने वाली थी। दो साल से इंदौर में रहकर इवेंट का काम कर रही थी। रात में हम एक फार्म हाउस के पास ढाबे पर खाना खाने पहुंचे थे। साहिबा ने कॉल कर कहा कि उसे लोकेशन नहीं मिल रही। तब मैंने उससे कहा कि वह तेजाजी नगर अंडरपास के पास रुक जाए मैं लेने आ रहा हूं। कुछ देर बाद मैंने साहिबा को कॉल किया तो किसी अन्य व्यक्ति ने फोन उठाया। उसने एक्सीडेंट की जानकारी दी और बताया कि उसे किसी अज्ञात कार ने टक्कर मारी है। जानकारी के मुताबिक साहिबा ने रात में अपने भाई को भोपाल में कॉल किया था, लेकिन उसने इंदौर आने से इनकार कर दिया। उसने दोस्तों पर हादसे को लेकर आरोप लगाए हैं। साहिबा का इंदौर में रहने के दौरान भोपाल में परिवार से संपर्क नहीं था।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com